राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण शनिवार,17 जुलाई-2021 वर्ष-4, अंक - 174 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

2 माह की राहत के बाद फिर दुनिया में लौट रही आफत, डेल्टा ने इन देशों को चिंता में डाला

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों और मौतों ने एक बार फिर दुनियाभर की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। नौ हफ्तों की गिरावट के बाद विश्व में संक्रमण के मामलों में पिछले हफ्ते 10 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है। इसके चलते पाबंदियों का एक और दौर शुरू हो रहा है। जिससे जनजीवन के सामान्य होने की उम्मीद कमजोर होती जा रही हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बुधवार को बताया कि लगातार नौ हफ्तों की गिरावट के बाद मौत की संख्या में भी वृद्धि हुई है। संक्रमण से पिछले हफ्ते 55,000 से अधिक लोगों ने जान गंवाई। जो इससे पहले वाले हफ्ते के मुकाबले तीन प्रतिशत अधिक है। वहीं संक्रमण के मामलों में पिछले हफ्ते करीब 10 फीसदी यानी की लगभग 30 लाख की वृद्धि हुई। इनमें से सबसे अधिक मामले ब्राजील, भारत, इंडोनेशिया और ब्रिटेन में आए।

पाबंदियां हटाने पर डब्ल्यूएचओ ने चेताया

डब्ल्यूएचओ ने कहा कि कई देश बाकी की सभी एहतियातों को हटाने के दबाव का सामना कर रहे हैं। लेकिन डब्ल्यूएचओ ने आगाह किया कि सही तरीके से ऐसा करने में नाकाम रहने पर संक्रमण को और फैलने का मौका मिलेगा। वहीं जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय में संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ. डेविड डाउडी ने आगाह किया कि यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि कोविड में विस्फोटक तरीके से संक्रमण फैलाने की क्षमता है।

विश्व में कोरोना से 40.76 लाख से अधिक की मौत

विश्वभर में कोरोना महामारी के संक्रमितों की संख्या बढ़कर 18.93 करोड़ से अधिक हो गई है। जबिक अब तक इसके कारण 40.76 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। दुनिया में कोरोना संक्रमितों के मामले में भारत दूसरे और मृतकों के मामले में तीसरे स्थान पर है। ब्राजील संक्रमितों के मामले में अब तीसरे स्थान पर है तथा कोरोना से हुई मौतों के मामले में विश्व में दूसरे स्थान पर है।

हर हाल में रोकनी होगी महामारी की तीसरी लहर

पीएम मोदी ने 6 राज्यों के सीएम को दी कई सलाह

नई दिल्ली। देश के कुछ राज्यों में लगातार बढ़ रहे कोरोना के मामले से केंद्र सरकार परेशान है। यही वजह है कि इस मसल को खुद पीएम नरेंद्र मोदी ही देख रहे हैं। इन राज्यों में बढ़ते मामलों पर पीएम मोदी खुद चिंता जता चुके हैं। इसको देखते हुए शुक्रवार को वे तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, ओडिशा और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्रियों के साथ वर्चुअल बैठक कर रहे हैं। इस बैठक में पीएम मोदी ने कहा कि देश में आने वाले कुल मामलों में से 80 फीसद से अधिक मामले और मौतें केवल इन्हीं राज्यों में हुई हैं। इसके लिए तेजी से काम करना होगा। उन्होंने ये भी कहा कि 23 हजार करोड़ रुपये का फंड इमरजेंसी कोविड रेस्पांस के तहत रखा है। इसका उपयोग स्वास्थ्य सेवाओं में किया जाना चाहिए। उन्होंने राज्यों को सलाह दी है कि ग्रामीण क्षेत्रों पर अधिक ध्यान देना होगा। पीएम मोदी ने इस बैठक में कहा कि राज्यों को पारदर्शी तरीके से आंकड़ों को साझा करना चाहिए। पीएम मोदी ने इन राज्यों को सख्त हिदायत दी कि हर हाल में तीसरी लहर की आशंका को

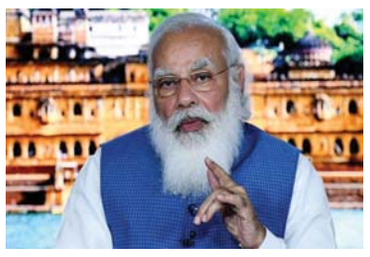

टालना होगा। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञ साफ कर चुके हैं कि यदि हालात नहीं सुधरे तो ये बेहद गंभीर हो सकते हैं। इस मौके पर उन्होंने उन देशों का भी जिक्र किया है जहां पर कोरोना की वजह से हालात गंभीर हो रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि कई राज्यों में अनलॉक के दौरान जो तस्वीरें सामने आई है वो चिंता को बढ़ाने वाली हैं। इसको रोकने की जरूरत है। लोगों को बताना होगा कि कोरोना हमारे बीच से अभी गया नहीं है। लोगों को जागरुक करने के लिए सभी पार्टियों के अलावा एनजीओ और दूसरों को भी इसके लिए साथ आना होगा। उन्होंने कहा कि वो हर समय मौजूद रहेंगे। अंत में उन्होंने कहा कि हम इस लड़ाई में जरूर जीतेंगे। इससे पहले भी पीएम मोदी इन राज्यों के साथ इस मुद्दे पर बैठक कर चुके हैं। आपको यहां पर ये भी बता दें कि पिछले दो दिनों से देश में कोरोना के मामले बढ़े हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यही राज्य हैं। इन राज्यों में बढ़ते मामलों को देखते हुए केंद्र सरकार ने कुछ टीमों का भी गठन किया है जो लगातार राज्यों के संपर्क में हैं। ये टीम राज्यों को जरूरी सलाह भी दी रही हैं। राज्यों की पीएम के साथ आज होने वाले बैठक सुबह 11 बजे शुरू होगी। आपको यहां पर ये भी बता दें कि जुलाई में अब तक सामने आए कोरोना के नए मामलों में 73 फीसद से ज्यादा इन छह राज्यों से ही आए हैं।

कांवड़ यात्रा पर सुप्रीम कोर्ट फिर सख्त

यूपी सरकार से कहा-फैसले पर करें पुनर्विचार, वरना हम देंगे आदेश

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा की अनुमति को लेकर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार से कहा कि या तो वह सांकेतिक 'कांवर यात्रा' आयोजित करने पर पुनर्विचार करें या हम आदेश पारित करेंगे। शीर्ष अदालत ने सोमवार तक यूपी सरकार को जवाब देने का निर्देश दिया है। इस मामले पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी भी व्यक्ति का जीवन सबसे अहम हैं। धार्मिक और अन्य भावनाएं मौलिक अधिकार के अधीन ही हैं। वहीं इस बीच केंद्र सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को एक हलफनामा दायर किया है। इस हलफनामा में सरकार ने शीर्ष कोर्ट से कहा है कि कोरोना महामारी के मद्देनजर राज्य सरकारों को हरिद्वार से 'गंगा जल' लाने के लिए कांवड़ियों की आवाजाही की अनुमति नहीं देनी चाहिए। हालांकि, धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकारों को निर्दिष्ट स्थानों पर टैंकरों के माध्यम से 'गंगा जल' उपलब्ध कराने के लिए प्रणाली विकसित करनी चाहिए। बता दें कि इससे पहले कोरोना संकट को देखते हुए इस बार उत्तराखंड सरकार ने कांवड़ यात्रा पर रोक लगा दी है। हालांकि, उत्तर प्रदेश सरकार ने इस पर रोक नहीं लगाई जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट द्वारा इस मामले में खुद संज्ञान लिया।

सुप्रीम कोर्ट : कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाना नीतिगत मामला

हाईकोर्ट को दखल देने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस फैसले को दरकिनार कर दिया है जिसमें नई ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण (नोएडा) द्वारा सितंबर 2012 में कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति की आयु 58 वर्ष से 60 वर्ष करने के निर्णय को सितंबर 2002 से लागू करने का निर्देश दिया गया था। जस्टिस धनंजय वाई चंद्रचूड़ और जस्टिस एमआर शाह की पीठ ने नोएडा द्वारा दायर अपील को स्वीकार करते हुए कहा कि हाईकोर्ट ने कार्यपालिका के क्षेत्राधिकार पर अतिक्रमण किया है। पीठ ने अपने फैसले में कहा है कि सेवानिवृत्ति की आयु बढाई जानी चाहिए या नहीं, यह नीतिगत मामला है। अगर सेवानिवृत्ति की आयु बढाने का निर्णय लिया गया है तो यह बढ़ोतरी किस तारीख से होनी चाहिए, यह नीतिगत होता है। ऐसे में हाईकोर्ट को इस मसले में दखल नहीं देना चाहिए था।

सेवानिवृत्ति की आयु 58 वर्ष से बढ़ाकर 60 वर्ष हुई थी-हाईकोर्ट ने नोएडा के कुछ कमर्चारियों द्वारा दायर रिट याचिका पर अपना फैसला दिया था। रिट याचिका दायर करने वाले कर्मचारी इस बात से खफा थे कि सेवानिवृत्ति की आयु बढाने के निर्णय को अधिसूचना वाली तारीख से लागू किया गया था। हाईकोर्ट का मानना था कि इस निर्णय का लाभ उन

कर्मचारियों को भी मिलना चाहिए जो सितंबर 2012 से पहले सेवानिवृत्त हुए थे। दरअसल, उत्तर प्रदेश सरकार ने वर्ष 2001 में अपने कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति की आयु 58 वर्ष से बढ़ाकर 60 वर्ष कर दी थी और पब्लिक सेक्टर कॉर्पोरेशन को अपनी वित्तीय स्थिति को देखते हुए इस तरह के निर्णय लेने की आजादी दी गई थी।

श्रीनगर में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी, मुठभेड़ में लश्कर के दो आतंकी ढेर

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में शुक्रवार को सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच चल रही मुठभेड़ में दो आतंकी मारे गए हैं। मारे गए दोनों आतंकी लश्कर-ए-तैयबा के थे। फिलहाल तलाशी अभियान जारी है। न्यूज एजेंसी एएनआई के अनुसार, सुरक्षा एजेंसियों को श्रीनगर के दानमार इलाके आलमदार कॉलोनी में आतंकियों के छिपे होने के इनपुट मिले थे। जिसके बाद सुरक्षाबलों ने इलाके को घेर लिया। सुरक्षाबलों ने आतंकियों को आत्मसमर्पण के लिए कहा गया। लेकिन आतंकियों ने आत्मसमर्पण नहीं किया और सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। जिसमें सुरक्षाबलों ने दो आतंकी मार गिराए।

आईजीपी कश्मीर विजय कुमार ने बताया है कि दोनों आतंकी लश्कर के थे और दोनों दगशतगर्द स्थानीय थे। फिलहाल इलाके में तलाशी अभियान चल रहा है। इस महीने में श्रीनगर में यह दूसरा एनकाउंटर है।

आपको बता दें कि इन दिनों घाटी में आतंकी लगातार सेना का निशाना बन रहे हैं। कल ही दक्षिण कश्मीर के पुलवामा में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ में तीन दहशतगर्दों को ढेर किया गया था।

आईजीपी कश्मीर ने गुरुवार को बताया कि मारे गए आतंकियों में से एक लश्कर-ए-तैयबा का पाकिस्तानी कमांडर एजाज उर्फ अबू हुरैरा था। इसके साथ ही दो स्थानीय आतंकियों को भी मार गिराया। मारे गए आतंकियों के पास से दो एके-47 राइफल और एक पिस्टल बरामद हई थी। यह ऑपरेशन करीब आठ घंटे चला। ये कुख्यात आतंकवादी कई राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल थे।

रेल सेवा शुरू किए जाने की पूर्व संध्या पर बड़ी आतंकी साजिश नाकाम

जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर दक्षिणी कश्मीर के कुलगाम जिले के काजीगुंड मीरबाजार इलाके में दमजान रेलवे ट्रैक के पास मंगलवार की शाम आतंकियों की ओर से प्लांट आईईडी बरामद की गई। बनिहाल से बारामुला के बीच बुधवार से पूरी तरह रेल सेवा शुरू किए जाने की पूर्व संध्या पर प्लांट आईईडी की बरामदगी से बड़ी आतंकी साजिश नाकाम हो गई है।

पुलिस ने बताया कि शाम को रेलवे ट्रैक के पास आईईडी देखी गई। इस पर तत्काल बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया। दस्ते ने आईईडी को कब्जे में लेकर उसे निष्क्रिय किया। इस दौरान आस-पास के इलाकों में आवागमन रोक दिया गया था। सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान भी चलाया।

कांग्रेस में बड़े फेरबदल की तैयारी, कमलनाथ को मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली। कांग्रेस में जल्द बड़ा फेरबदल हो सकता है। विधानसभा चुनाव में हार से बाद पार्टी कार्यकर्ताओं में नया जोश भरने के लिए कांग्रेस बड़े बदलाव की तैयारी कर रही है। इस बदलाव के तहत कई प्रदेशों में अध्यक्ष, राज्यों के प्रभारी और उत्तराखंड व गुजरात में विधायक दल के नेता को बदलने की तैयारी है। पार्टी में फेरबदल की संभावनाओं के बीच वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा से मुलाकात की है। इस मुलाकात के बाद इन अटकलों को बल मिला है कि उन्हें पार्टी में कोई अहम पद दिया जा सकता है। उन्हें कार्यकारी अध्यक्ष या उपाध्यक्ष बनाया जा सकता है। कांग्रेस अध्यक्ष से कमलनाथ की मुलाकात के बारे में सवाल किए जाने पर पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि अभी तस्वीर साफ नहीं है। पर पार्टी कमलनाथ को कार्यकारी अध्यक्ष या उपाध्यक्ष बनाती है, तो उसका सीधा असर पंजाब विधानसभा चुनाव पर पड़ेगा। पंजाब में अगले साल चुनाव हैं। कमलनाथ पर 1984 के सिख विरोधी दंगो में शामिल होने के आरोप लगते रहे हैं। पार्टी ने 2016 में कमलनाथ को पंजाब का प्रभारी नियुक्त किया था, पर चुनाव से ठीक पहले पंजाब में विरोध के बाद उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था। बाद में उन्हें हरियाणा का प्रभारी बनाया गया था। दूसरी तरफ, कमलनाथ की गिनती कांग्रेस नेतृत्व के भरोसेमंद नेताओं में होती है। उनकी पार्टी में भी अच्छी पकड़ है और वरिष्ठ नेताओं के साथ भी अच्छे रिश्ते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष को पत्र लिखने वाले असंतुष्ट नेताओं को मनाने में उनकी अहम भूमिका रही है। ऐसे में उन्हें अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। कलनाथ की मुलाकात को इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि यह चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर की कांग्रेस नेतृत्व से बैठक के एक दिन बाद हुई है।

टीकाकरण के 6 माह: कोरोना को जल्द मिलेगी हार, भारत ने लक्ष्य के मुकाबले 9 करोड़ ज्यादा टीके लगाए

नई दिल्ली। भारत में शुरू हुए दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान को आज छह महीने पूरे हो गए। इस दौरान तय लक्ष्य के मुकाबले देशभर में नौ करोड़ ज्यादा टीके लगाए जा चुके हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, देश में गुरुवार तक कुल 39.10 करोड़ टीके लगाए गए। बता दें कि देश में 16 जनवरी से वैक्सीनेशन अभियान की शुरुआत हुई थी।

30 करोड़ का था लक्ष्य, 39 करोड़ को लग चुका टीका-पिछले साल 19 दिसंबर को तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने कहा था कि टीकाकरण शुरू होने के छह से सात महीने के भीतर तीस करोड़ टीके लगाए जाने का लक्ष्य है। देश में 16 जनवरी को टीकाकरण की शुरूआत

हुई, तब से लेकर आजतक देश में 39.10 करोड़ टीके लगाए जा चुके हैं।

उत्तर प्रदेश में सबसे तेज टीकाकरण

सर्वाधिक जनसंख्या वाले उत्तर प्रदेश में तेजी से टीके लगाए जा रहे हैं। अब तक यहां कुल 3.2 करोड़ लोगों को टीके लगाए जा चुके हैं। दूसरी लहर में उत्तर प्रदेश सर्वाधिक प्रभावित हुए राज्यों में से एक था। तेजी से टीके लगने के कारण अभी यहां संक्रमण दर 0.1त्न बनी हुई है, यानी हालात नियंत्रण में हैं। टीकाकरण में दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र और तीसरी नंबर पर राजस्थान है। चिंता की बात यह है कि दूसरी लहर में

● पिछले साल 19 दिसंबर को तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने कहा था कि टीकाकरण शुरू होने के छह से सात महीने के भीतर तीस करोड़ टीके लगाए जाने का लक्ष्य है। देश में 16 जनवरी को टीकाकरण की शुरूआत हुई, तब से लेकर आजतक देश में 39.10 करोड़ टीके लगाए जा चुके हैं।

सबसे ज्यादा बेहाल हुई दिल्ली में टीकाकरण दर इतनी कम है कि शीर्ष पांच राज्यों में यह शामिल नहीं।

एमपी के विदिशा में बड़ा हादसा, लड़की को बचाने में कुएं में गिरी भीड़, अबतक 4 की मौत, बचाव कार्य जारी

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश में विदिशा जिले के गंजबासौदा में गुरूवार रात को कुएं में फिसलकर गिरी एक बच्ची को बचाने के लिए इसकी मेड़ पर खड़े कई लोग अचानक मिट्टी धंसने से कुएं में गिर गये और मलबे में दब गये। यहां अब तक चार की मौत हो गई। इनमें से 19 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है और बचाव कार्य मध्यरात्रि के बाद भी जारी है। घटना की उच्चस्तरीय जांच कराने के निर्देश दिए गये हैं। हालांकि, अब तक यह पता नहीं चल पाया है कि कुल कितने लोग इस मलबे में दबे हैं। यह कुआं करीब 50 फुट गहरा है और इसमें करीब 20 फुट तक पानी बताया गया है।

खड़े होकर देख रहे 25-30 लोग कुएं में गिर

वहीं, इस हादसे में कुएं में गिरने के बाद बचाये गये दो लोगों ने मीडिया से कहा कि कुएं में गिरी एक बच्ची को बचाते समय यह हादसा हुआ। उसे बचाने के लिए कुछ लोग इस कुएं में उतर गये, जबकि करीब 40-50 लोग उनकी सहायता करने एवं देखने के लिए कुएं की मेड़ और छत पर खड़े हो गये। उन्होंने कहा कि इसी बीच, कुएं की छत ढह गई, जिससे करीब 25-30 लोग कुएं में गिर गये। उन्होंने कहा कि उन दोनों सहित करीब 12 लोगों को वहां मौजूद ग्रामीणों ने कुएं से रस्सियों की मदद से बाहर निकाला और बचा लिए। दोनों

को मामूली चोट आई है। उन्होंने कहा कि कुएं की छत पर जो लोहे की रॉड लगी थी, वह सड़कर गल चुकी थी। इसलिए वह टूट गई और यह हादसा हुआ।

कुएं में जा गिरा बचाव में जुटा ट्रैक्टर भी

वहां मौजूग लोगों के अनुसार रात करीब 11 बजे बचाव कार्य में लगा एक ट्रैक्टर भी इस कुएं में गिर गया, जिससे चार पुलिसकर्मियों सहित कुछ लोग भी इस कुएं में गिर गये। इनमें से तीन पुलिसकर्मियों एवं कुछ अन्य लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है।इससे पहले, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने घटना के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल राहत एवं बचाव कार्य चलाने के निर्देश दिये। चौहान ने घटनास्थल पर मौजूद कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक से बात कर घटना के संबंध में जानकारी ली और बचाव अभियान को तीव्र गति से चलाने के निर्देश दिये।

एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम मौके पर

उन्होंने कहा कि राहत एवं बचाव कार्य के लिये भोपाल से राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम एवं आवश्यक उपकरण पहुंचाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री घटनास्थल पर चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों की स्वयं निगरानी कर रहे हैं। चौहान ने घटना की उच्च स्तरीय जांच और पीड़ितों को हर संभव चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसी बीच, मौके पर पहुंचे विदिशा जिले के पुलिस अधीक्षक विनायक वर्मा ने फोन पर %पीटीआई-भाषा को बताया, %%मैं अभी यही कह सकता हूं कि बचाव अभियान चल रहा है। उन्होंने इससे ज्यादा बात नहीं की।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

राजद्रोह कानून के खिलाफ

आज के दौर में राजद्रोह कानून का सवालों के कठघरे में खड़ा होना न केवल सामान्य, बल्कि स्वाभाविक बात है। सुप्रीम कोर्ट ने इस कानून को औपनिवेशिक काल की देन बताते हुए केंद्र सरकार से पूछा है कि आखिर इस कानून को खत्म क्यों नहीं किया जा रहा? यह आजादी के आंदोलन को कुचलने के लिए अंग्रेजों द्वारा बनाया गया कानून था। शीर्ष अदालत ने इस दंडात्मक कानून की सांविधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सरकार से जवाब-तलब किया है। कोई आश्चर्य नहीं, नाराजगी जाहिर करते हुए अदालत ने कहा है कि राजद्रोह कानून का मकसद स्वतंत्रता संग्राम को दबाना था, जिसका इस्तेमाल अंग्रेजों ने महात्मा गांधी और अन्य स्वतंत्रता सेनानियों को चुप कराने के लिए किया था। अदालत की इस आपत्ति का स्वागत किया जाना चाहिए। लोकतंत्र में लोक को हमेशा सम्मान हासिल होना चाहिए, लेकिन जब लोक पर तंत्र हावी हो जाता है, तब जाहिर है, लोकतंत्र का स्वरूप बिगड़ जाता है। राजद्रोह कानून से क्या देश को लाभ हो रहा है? खुशी की बात है कि शीर्ष अदालत की नाराजगी के बाद अटॉर्नी जनरल ने लचीले रुख के साथ कहा कि राजद्रोह कानून का दुरुपयोग रोकने के लिए कुछ दिशा-निर्देश तय किए जा सकते हैं। उन्होंने इस कानून को पूरी तरह से खारिज करने के बजाय उसकी जरूरत का बचाव किया। हालांकि, अनेक कानून ऐसे रहे हैं, जिनको केंद्र सरकार ने समय के साथ लोगों के अनुकूल बदला है। राजद्रोह के कानून को भी जाना चाहिए। कोर्ट ने उचित ही पूछा है कि जब पुराने अनेक कानूनों को खत्म किया गया है, तब राजद्रोह कानून की जरूरत क्यों है? खैर, अब केंद्र सरकार अगर राजद्रोह कानून को बनाए रखना चाहती है, तो उसे मजबूत तर्क के साथ सामने आना पड़ेगा। सबसे बड़ी चिंता ऐसे कानूनों का दुरुपयोग है, जिसे नए दौर में रोकना जरूरी है। देखना चाहिए कि कहीं राजद्रोह कानून तंत्र को भ्रष्ट तो नहीं बना रहा है? यह कानून लोकहित में ज्यादा है या तंत्रहित के लिए ही इसे बनाए रखा गया है? एक समय था, 1962 में केदारनाथ यादव बनाम बिहार सरकार के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इस कानून को बनाए रखा था, लेकिन अब दौर दूसरा है। प्रधान न्यायाधीश की पीठ ने बिल्कुल सही कहा है कि हमारी मुख्य चिंता इस कानून के दुरुपयोग को लेकर है। आईपीसी की धारा 124अ (राजद्रोह) को चुनौती देते हुए पूर्व सैन्य अधिकारी मेजर जनरल एसजी वोम्बाटकेरे ने याचिका दायर की थी। उनकी दलील है कि इस कानून का इस्तेमाल कई बार अभिव्यक्ति की आजादी को बाधित करने के लिए किया जाता है। भारतीय दंड संहिता की धारा 124अ के मुताबिक, यदि कोई व्यक्ति अपने शब्दों, लेखन, चिह्नों, दृश्य माध्यम या फिर अन्य किसी माध्यम से भारत में कानून के तहत बनी सरकार के खिलाफ विद्रोह को भड़काता है, तो उसे उम्रकैद तक की सजा दी जा सकती है। यह अपराध गैर-जमानती भी है, अत- यह कानून प्रशंसनीय नहीं है। काश! पुलिस सुधार पूरे हुए होते, तो राजद्रोह कानून का दुरुपयोग भी रुक गया होगा, लेकिन अब किसी भी सभ्य समाज और देश में लोगों को अनुशासित रखने के लिए सीधे राजद्रोह कानून के बजाय दूसरे कानूनों का इस्तेमाल बेहतर है।

लाइलाज महामारी बनेगा प्रकृति का बिगड़ता मिजाज!

– ऋतुपर्ण दवे

प्रकृति पर कब किसका जोर रहा है? न प्रकृति के बिगड़े मिजाज को कोई काबू कर सका और न फिलहाल मनुष्य के वश में दिखता है। इतना जरूर है कि अपनी हरकतों से प्रकृति को लगातार नाराज जरूर किया जा रहा है जिसपर प्रकृति का विरोध भी दिख रहा है। बावजूद इसके हम हैं कि मानते नहीं। न पर्यावरण विरोधी गतिविधियों को कम करते हैं और न ही प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन को ही रोकते हैं। प्रकृति और मनुष्य के बीच दूरियां बढ़ती जा रही हैं। जहां प्रकृति की नेमतों में लगातार कमी आ रही है, वहीं लगता नहीं कि उसका अभिशाप भी खूब रंग दिखा है? नतीजा सामने है, गर्मियों में बरसात, बरसात में गर्मी और ठण्ड में पसीने के अहसास के बावजूद हमारा नहीं चेतना एक बड़ी लापरवाही बल्कि आपदा को खुद न्यौता देने जैसा है। हो भी यही रहा है। सच तो यह है कि प्रकृति की अपनी प्राकृतिक वातानुकूलन प्रणाली है जो बुरी तरह से प्रभावित हो चुकी है, नतीजन हालिया और बीते कुछ दशकों में मानसून का बिगड़ा मिजाज सामने है। जब जरूरत नहीं थी तब इसी जून में झमाझम बारिश हुई। अब जरूरत के वक्त कई जगह सूखा तो कहीं बाढ़ के विकराल हालात बन चुके हैं। यानी प्रकृति का खुद का संतुलन बुरी तरह से बिगड़ चुका है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार तापमान में वृद्धि के कारण विश्वस्तर पर पानी की कमी और सूखे का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। दोनों ही मानवता को बड़े स्तर पर नुकसान पहुंचाने के लिए मुंह बाएं खड़े हैं। आंकड़े बताते हैं कि 1998 से 2017 के बीच बिगड़ैल मानसून से 124 अरब डॉलर का आर्थिक नुकसान हो चुका है और करीब डेढ़ अरब लोग भी प्रभावित हुए हैं। एक अन्य ताजा भारतीय शोध से भी पता चलता है कि हिमालय और काकोरम में ग्लोबल वार्मिंग का असर साफ दिखने लगा है। ग्लेशियर पिघलने से बाढ़ और रोजगार दोनों पर ही खतरा सामने है। पहले जून में पिघलने वाले ग्लेशियर अब अप्रैल में ही पिघलने लगे हैं। गर्मी से टूट रहे ग्लेशियरों से लगभग 100 करोड़ लोगों के सामने खतरे जैसे हालात दिखने लगे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ का ही पूर्वानुमान है कि ज्यादातर अफ्रीका फिर मध्य और दक्षिण अमेरिका, मध्य एशिया, दक्षिणी ऑस्ट्रेलिया, दक्षिणी यूरोप, मेक्सिको और शेष अमेरिका में लगातार और गंभीर सूखा पड़ेगा। अभी जो हालात बन रहे हैं वह कुछ यही इशारा कर रहे हैं। भारतीय संदर्भ में देखें तो इसी बीते जून के अंत से जुलाई के दूसरे पखवाड़े में अबतक उमस और नम हवाओं के बीच लू के थपेड़े और भी ज्यादा खतरनाक हो रहे हैं। दरअसल यह वेट बल्ब तापमान वाली जैसी स्थिति होती है जो उमस और गर्मी दोनों से मिलकर बनती है। इसमें तापमान तो 30 डिग्री के आसपास होता है लेकिन वातावरण में नमी 90 प्रतिशत होने के बावजूद ऐसे मौसम को सह पाना बहुत मुश्किल हो जाता है। वाकई फिलहाल हालात कुछ ऐसे ही हैं। 2017 का एक अध्ययन बताता है कि दुनिया न सिर्फ गर्म हो रही है बल्कि हवा में नमी का स्तर भी तेजी से बढ़ रहा है जो यदि तापमान 35 डिग्री वैट बल्ब तक पहुंच जाए तो जिन्दगी के लिए जबरदस्त खतरा भी हो सकता है और बमुश्किल 6 घण्टों में ही मौत संभव है। जहां भारत में समय से पहले आए मानसून की आमद और अब जरूरत के वक्त गफलत ने किसानों सहित सबको परेशान कर रखा है। वहीं अमेरिका में भी पारे ने नया रिकॉर्ड बना दिया। कैलीफोर्निया के डेथवैली पार्क में इसी 9 जुलाई को अधिकतम तापमान 54 डिग्री सेल्सयस दर्ज हुआ। इससे पहले 10 जुलाई 1913 को वहां तापमान 56.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो दुनिया में सर्वाधिक है। कैलीफोर्निया, ओरेगन और एरिजोना में तमाम जंगल धधक उठे हैं, धुंआ भरे पायरोकम्युलस बादलों का निर्माण कुछ इस तरह हुआ जो अमूमन जंगलों की बड़ी आग या ज्वालामुखी से बनते हैं। अभी जुलाई के 14 दिनों में ही 2,45,472 एकड़ इलाका जलकर खाक हो चुका है। तापमान भी 54 पार कर 57 डिग्री सेल्ससियस पहुंचने पर उतारू है। बिजली गिरने की कई घटनाएं हुई और आग फैलती चली गई। भारत में राजस्थान का चुरू भी देश का सबसे ज्यादा तापमान वाला शहर बन चुका है। दरअसल यह इंसानों की करतूतों से मौसम का बदलाव है। इसपर 70 विशेषज्ञों की एक अंतरराष्ट्रीय टीम द्वारा किया गया अध्ययन है जिसमें स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव की रिपोर्ट चौंकाने वाली है। ऐसे प्रभावों को जानने वाला यह पहला और अब तक का सबसे बड़ा शोध है। यह शोध नेचर क्लाइमेट पत्रिका में प्रकाशित हुआ है जिसके अनुसार गर्मी की वजह से होने वाली सभी मौतों का औसतन 37 प्रतिशत कहीं न कहीं सीधे तौर पर इंसानी करतूतों से हुई जिसके लिए जलवायु परिवर्तन जिम्मेदार है। इस शोध अध्ययन के लिए 43 देशों में 732 स्थानों से आंकड़े जुटाए गए जो पहली बार गर्मी की वजह से मृत्यु के बढ़ते खतरे में इंसानी करतूतों से जलवायु परिवर्तन के वास्तविक योगदान को दिखाता है। साफ है कि जलवायु परिवर्तन से इंसानों पर दिख रहे खतरे अब ज्यादा दूर नहीं है। दुनिया की प्रतिष्ठित मेडिकल जर्नल लेंसेंट का एक अध्ययन तो बेहद चौंकाने वाला है जिसमें केवल भारत में ही हर साल असामान्य गर्मी या ठण्ड से करीब 7.40 लाख लोगों की मौत की चर्चा है। अलग-अलग देखने पर पता चलता है कि भारत में जहां असामान्य ठण्ड से हर वर्ष 6,55,400 लोगों की मौत होती है तो असामान्य गर्मी से 83,700 लोग जान गवां बैठते हैं। वहीं मोनाश यूनिवर्सिटी ऑस्ट्रेलिया के रिसर्चर की एक टीम ने असामान्य तापमान की वजह से दुनिया भर में 50 लाख लोगों से अधिक की मौत बताकर चौंका दिया है। यह मौत हाल के कोरोना वायरस से हुई मौतों से काफी अधिक है। यह शोध 2000 से 2019 के दौरान का है जिसमें 0.26 सेल्सियस बढ़ा तापमान और मृत्युदर का अध्ययन है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव की विशेष प्रतिनिधि (आपदा जोखिम न्यूनीकरण) मामी मिजूतोरी भी इस बात को मानती हैं कि बिगड़ते पर्यावरण से पनपा सूखा अगली ऐसी महामारी बनने जा रहा है जिसके लिए न कोई टीका होगा न दवाई। यानी बिगड़ते पर्यावरण से निपटने की तैयारी और कारगर व्यवस्थाएं ही कुछ कर पाएंगी जिसपर गंभीरता से किसी का ध्यान नहीं है। इसके लिए अभी से तैयारी की जरूरत है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

'आज के ट्वीट

खुशी की लहर

जम्मू-कश्मीरः आजादी के बाद पहली बार रामबन जिले के कडोला गांव में पहुंची बिजली, लोगों में खुशी की लहर मोदी सरकार की तारीफ़ की - पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

ज्ञान गंगा

समस्या

आचार्य रजनीश ओशो

अगर दुनिया खत्म हो जाए तो समस्या क्या है? मुझसे यह कई बार पूछा गया है, लेकिन समस्या क्या है? अगर वह खत्म होती है तो होती है। उसमें कोई समस्या नहीं है क्योंकि हम यहां नहीं रहेंगे, हम उसके साथ समाप्त हो जाएंगे और चिंता करने के लिए भी कोई नहीं रहेगा। यह वस्तुत- भय से सबसे बड़ी मुक्ति होगी। दुनिया का अंत होने का मतलब है हर समस्या का अंत, तुम्हारे पेट की हर गांठ का अंत। मुझे कोई समस्या नहीं दिखाई देती, लेकिन मैं जानता हूं कि हर कोई भयभीत है। लेकिन सवाल वही है- यह भय मन का हिस्सा है। मन डरपोक है, और डरपोक होना स्वाभाविक है क्योंकि उसमें कोई सार तत्व नहीं है, वह खाली और शून्य है, और वह हर बात से डरता है। और मूलत: वह इससे डरता है कि एक दिन तुम जाग सकते हो। वह सचमुच दुनिया का अंत होगा! दुनिया का अंत इस अर्थ में कि तुम्हारा जाग जाना, तुम्हारा ध्यान की स्थिति को उपलब्ध हो जाना, वहां मन को विदा होना पड़ता है, वह असली भय है। यह भय लोगों को ध्यान से दूर रखता है, उन्हें मेरे जैसे लोगों का दुश्मन बनाता है जो ध्यान का स्वाद फैला रहे हैं, जो होश और साक्षीभाव का उपाय बता रहे हैं। लोग मेरे खिलाफ हो जाते हैं, वह अकारण नहीं, उनका भय जायज है। उन्हें इसका होश न हो, लेकिन उनका मन सचमुच भयभीत है उस बात के करीब आने से जो ज्यादा सजगता पैदा कर सकती है। वह मन के अंत की शुरु आत होगी। वह मन की मृत्यु होगी। लेकिन तुम्हें कोई भय नहीं है, मन का अंत तुम्हारा पुनर्जन्म होगा, तुम्हारा वास्तव में जीने का प्रारंभ। तुम्हें प्रसन्न होना चाहिए, तुम्हें मन की मृत्यु में खुशी मनाना चाहिए क्योंकि उससे बड़ी स्वतंत्रता नहीं है। अन्य कोई बात तुम्हें आकाश में उड़ने की स्वतंत्रता नहीं देगी, अन्य कोई बात पूरा आकाश तुम्हारा नहीं करेगी। मन एक कारागृह है। सजगता है कारागृह से बाहर जाना या इसका बोध होना कि वह कभी कारागृह में था ही नहीं, वह सिर्फ सोच रहा था कि वह कारागृह में था। फिर पूरा भय नदारद हो जाता है। मैं भी उसी दुनिया में जी रहा हूं लेकिन मुझे एक क्षण भी कोई भय नहीं लगा क्योंकि मुझसे कुछ भी छीना नहीं जा सकता। मेरी हत्या की जा सकती है लेकिन मैं उसे भी होते हुए देखूंगा, तो जो मारा जा रहा है वह मैं नहीं हूं, मेरी सजगता नहीं है। जीवन में बड़ी से बड़ी खोज, सबसे कीमती खजाना है सजगता। उसके बगैर तुम अंधकार में ही रहोगे।

आज का राशिफल

मेष अर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक उत्सव में हिस्सेदारी लेंगे। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अपने सामान की सुरक्षा के प्रति सचेत रहें। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कर्क व्यावसायिक क्षेत्र में व्यवधान आ सकते हैं। भारी व्यय की संभावना है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। संतान के कारण चिंतित रहेंगे।

सिंह आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। आर्थिक उन्नति के योग हैं। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला व्यावसायिक क्षेत्र में व्यवधान आ सकते हैं। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ सकता है। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा।

वृश्चिक पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। नए अनुबंध मिलेंगे। नेत्र विकार के प्रति सचेत रहें। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

धनु व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आपके पराक्रम तथा प्रभाव में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

मीन राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धरती की हदों से पार सपना सच होना

अरुण नैथानी

दशकों की तपस्या सरीखी मेहनत जब सपनों को साकार करती है तो निस्संदेह खुशी का पारावार नहीं रहता। बीते रविवार जब अरबपति ब्रितानी व्यवसायी रिचर्ड ब्रैनसन के साथ वर्जिन गैलेक्टिक के रॉकेट प्लेन से भारत की बेटी सिरिशा बांदला अंतरिक्ष में पहुंची तो यह उसके बचपन से देखे गये सपने का सच होना था। अमेरिका के साथ भारत में भी खुशियां मनायी गई। कल्पना चावला के बाद वह दूसरी भारतीय मूल की महिला है जो अंतरिक्ष में कदम रख पायी। दरअसल, अमेरिका के न्यू मैक्सिको में वर्जिन गैलेक्टिक का यह रॉकेट विमान उड़ान भरने के एक घंटे बाद वापस धरती पर लौट आया। यह एक ऐतिहासिक घटनाक्रम था और इस प्रकार दुनिया में अंतरिक्ष पर्यटन की शुरुआत हो गई। इस तरह अरबपति व्यवसायी रिचर्ड ब्रैनसन ने अमेजॉन के जेफ बेजॉस और स्पेस एक्स के एलन मस्क को पछाड़ दिया, जो अंतरिक्ष पर्यटन में कदम रख रहे हैं। कभी चार साल की उम्र में माता-पिता के बिना भारत से अकेली अमेरिका जाने वाली सिरिशा बांदला आज इतनी बड़ी हो गई है कि उसने बचपन में देखे सपनों को हकीकत में बदल दिया। आंध्र प्रदेश के गुंटूर में जन्मी बांदला बचपन से ही आकाश की ऊंचाइयों की हकीकत जानना चाहती थी। उसका जन्म गुंटूर के चिराला में वर्ष 1987 में हुआ। वह बचपन से ही आकाश को लेकर सम्मोहित रही है। वह आसमान को देखकर पूछा करती थी कि अंतरिक्ष में कैसे जाते हैं? वहां क्या है? उसके पिता मुरलीधर व मां अनुराधा अमेरिका में ही नौकरी करते थे सो शुरुआत में उसका लालन-पोषण दादा डॉ. रंगैया बादला व दादी की देखरेख में हुआ। चार साल की उम्र में सिरिशा को उसके लिये अजनबी व्यक्ति के साथ अमेरिका भेजा गया था। लेकिन वह हवाई जहाज में यात्रा करने के लिये खासी उत्साहित थी। संयोग की बात है कि सिरिशा के माता-पिता ह्यूस्टन में जहां रहते थे, वहीं नासा का बहुचर्चित जॉनसन स्पेस सेंटर स्थित है। ऐसे में बचपन से सिरिशा की अंतरिक्ष अभियान से जुड़े लोगों को देखकर अपने सपनों को हकीकत में बदलने की उत्सुकता बढ़ी। वह अकसर सोचती कि अंतरिक्ष यात्री कैसे बनते हैं। फिर उसने इसी क्षेत्र में अपना कैरियर बनाने की सोची। सबसे पहले उसने एयरोस्पेस और एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में वर्ष 2011 में स्नातक डिग्री हासिल की। उसके सपनों को तब झटका लगा जब वह आंख में किसी खामी के कारण नासा जाने के लिये अयोग्य करार दे दी गई। फिर उसने जॉर्ज वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी से बिजनेस मैनेजमेंट की डिग्री हासिल की। इसी बीच उसे एक प्रोफेसर ने अंतरिक्ष से जुड़ी सरकारी नीतियों का अध्ययन करने वाली स्पेश पॉलिसी में भविष्य बनाने की सलाह दी। अपने सपनों को पूरा करने के लिये सिरिशा ने वर्ष 2015 में रिचर्ड ब्रैनसन की कंपनी वर्जिन गैलेक्टिक को चुना। फिर महज छह साल में जुनूनी कार्यशैली से तीन पदोन्नति पाकर कंपनी की गवर्नमेंट अफेयर्स एंड रिसर्च ऑपरेशंस की वाइस प्रेसिडेंट बन गई। उसकी किस्मत थी कि जब रिचर्ड ब्रैनसन ने अंतरिक्ष अभियान की शुरुआत की तो खुद व पायलट के साथ किसी अन्य को अंतरिक्ष में ले जाने के बजाय अपने कर्मचारियों को चुना। इन पांच लोगों में सिरिशा भी शामिल थी। करीब तीन लाख फीट की ऊंचाई पर पहुंचकर सिरिशा को जैसे अपने सपनों की मंजिल मिल गई। करीब एक घंटे के इस अभियान में चार मिनट तक वह अंतरिक्ष में रही, वहां भारहीनता का अनुभव किया। जहां से पृथ्वी को देखना उसके लिये अवर्णनीय घटना थी। बचपन से देखे गये सपने हकीकत बन गए थे। सिरिशा की सफलता भारत समेत सारी दुनिया की लड़कियों के लिये प्रेरणा की एक मिसाल है कि वे मेहनत व लगन से धरती की सीमाओं से परे भी सफलता हासिल कर सकती हैं। वह रिचर्ड ब्रैनसन के वर्ष 2004 से जारी उस मिशन के हकीकत बनने का भी हिस्सा थी, जिसे तकनीकी चुनौतियों के चलते सत्रह साल बाद कामयाबी मिल पायी। भारतीयों के लिये भी यह खुशी की बात है कि अंतरिक्ष पर्यटन का नया दौर शुरू होने पर इस ऐतिहासिक कार्यक्रम का हिस्सा एक भारतीय बेटी बनी। उसने कहा भी कि यूनिटी-22 दल का हिस्सा बनकर मैं खुद को सम्मानित महसूस कर रही हूं। उसने छह जुलाई के ट्वीट में कहा था कि 'जब मैंने सुना कि मुझे यह अवसर मिल रहा है, तब भावनाओं को व्यक्त करने के लिये शब्द नहीं थे। यह सार्थक अभियान था। यह अलग-अलग पृष्ठभूमि, भौगोलिक क्षेत्र, समुदाय के लोगों का अंतरिक्ष में होने का अभूतपूर्व अवसर था।' सफलता की ऊंचाइयां छूने वाली सिरिशा का भारतीयता से लगाव बदस्तूर कायम है। खासकर भारतीय व्यंजन उसे लुभाते हैं। जब वह अंतरिक्ष में जा रही थी तो मां उसके लिये मटन बिरयानी लेकर न्यू मैक्सिको उड़ान स्थल पहुंची थी। लेकिन हमेशा से उसकी पहली पसंद पीली दाल रही है। उसने कहा कि अंतरिक्ष से आने के बाद वह मां से पीली दाल बनाने को कहेगी, जो मुझे बहुत पसंद है। मुझे गर्म चावल, पीली दाल और थोड़ा-सा घी डालना बेहद पसंद है। मैं इसे बनाने की कोशिश तो करती हूं लेकिन मां के जैसा नहीं बना पाती। अंतरिक्ष में जाते वक्त उसने गर्व से कहा था कि मैं अपने साथ भारत को भी लेकर ऊपर जा रही हूं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत की वृद्धि दर 2022-23 में 6.5 से 7प्रतिशत के बीच रहेगी सुब्रमण्यम

मुंबई: मुख्य आर्थिक सलाहकार कृष्णमूर्ति सुब्रमण्यम ने शुक्रवार को कहा कि सरकार द्वारा लिए जा रहे आर्थिक सुधारों और कोविड टीकाकरण में तेजी को देखते हुए वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारत की वृद्धि दर 6.5 से 7 प्रतिशत के बीच रह सकती है। उन्होंने कहा उम्मीद है कि कोविड-19 की दूसरी लहर का अर्थव्यवस्था पर बहुत ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। वही वित्त वर्ष 2020-21 में देश की अर्थव्यवस्था में 7.3 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई थी। डन एंड ब्रेडस्ट्रीट द्वारा आयोजित वीडियो-कांफ्रेंस के जरिए आयोजित सम्मेलन में सुब्रमण्यम ने कहा, 'आर्थिक सुधारों और कोविड टीकाकरण में तेजी से मुझे उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2023 में वृद्धि दर 6.5 और 7 प्रतिशत रह सकती है।' उन्होंने कहा, 'पिछले एक साल या 6 माह में लिए गए महत्वपूर्ण सुधार क़दमों के बल पर मुझे यह कहने में कोई झिझक महसूस नहीं होती है कि दशक के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था उच्च स्तर पर रहेगी।' उन्होंने हालांकि यह भी कहा कि वित्त वर्ष 2020-21 की अंतिम तिमाही में आर्थिक स्थिति सामान्य होने के नजदीक थी लेकिन कोविड की दूसरी लहर ने उसे कुछ प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि देश को महामारी के प्रकोप से बचाने के लिए टीकाकरण बहुत जरुरी है। टीकाकरण से कोविड19 को एक सामान्य संक्रमण में तब्दील करना भी महत्वपूर्ण है। सम्मेल में प्रधानमंत्री की आर्थिक लाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के अध्यक्ष विवेक देब रॉय ने कहा कि जीडीपी विकास दर पिछले साल के आधार पर निर्भर करती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि चालू वित्त वर्ष के दौरान आर्थिक वृद्धि दर दस प्रतिशत के आस-पास रहेगी।

लावा ने अपने स्मार्टफोन के लिए एंड्रॉइड 11 अपडेट की घोषणा की

नई दिल्ली। घरेलू मोबाइल फोन निर्माता कंपनी लावा इंटरनेशनल ने शुक्रवार को अपने जेड 2, जेड 4, जेड 6 और मायजेड ट्रिपल-कैमरा वेरिएंट स्मार्टफोन के लिए एंड्रॉइड 11 अपडेट की घोषणा की है। बता दें कि इस अपडेट को पहले 25 जुलाई से जेड 4, जेड 6 और मायजेड मॉडल के लिए रोल आउट किया जाएगा, जबकि जेड 2 यूजर्स को बाद के महीनों में अपडेट करना होगा। कंपनी ने एक बयान में कहा कि लावा जेड2, जेड4, जेड6 और मायज़ेड को इस साल जनवरी में स्टॉक एंड्रॉइड 10 ओएस के साथ लॉन्च किया गया था। नया सॉफ्टवेयर अपडेट यूजर्स के लिए ओटीए के रूप में जारी किया जाएगा, जो उनके पास पहुंचने के बाद एक नोटिफिकेशन प्राप्त करेंगे। यूजर्स के पास यह विकल्प होगा कि या तो इसे तुरंत डाउनलोड करें या बाद में अपनी फोन सेटिंग में जाकर इसे अपडेट करें। एंड्रॉइड 11 अपडेट लावा उपयोगकताओं को स्क्रीन रिकॉर्डिंग, चैट बबल, डार्क मोड शेड्यूलिंग और डिजिटल वेलबीइंग जैसी रोमांचक और बेहतरीन फीचर्स का अनुभव मिलेगा। इसके अलावा, नया एंड्रॉइड को बेहतर उपयोगकर्ता गोपनीयता, एक बेहतर मीडिया नियंत्रक और एक आसान बातचीत और सूचना प्रबंधक प्रदान करेगा। कंपनी ने कहा कि एंड्रॉइड आर के लिए सॉफ्टवेयर भारतीय इंजीनियरों द्वारा विकसित किया गया है, और मजबूत भारतीय आरएंडडी ने यूजर्स को लगातार एंड्रॉइड अपग्रेड प्रदान करने के लिए लावा को संचालित किया है। लावा इंटरनेशनल कंपनी भविष्य में इस तरह के अपडेटस को जारी रखेगा। क्योंकि यह आरएंडडी में अपने निवेश को बढ़ा रहा है।

तेल की बढ़ती कीमतों ने बढ़ाई भारत की चिंता, पेट्रोलियम मंत्री ने इन देशों से की बातचीत

बिजनेस डेस्क:

दुनिया के तीसरे सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता भारत ने ओपेक देशों को तेल की ऊंची कीमतों पर अपनी चिंता से अवगत कराया है। तेल की ऊंची कीमतों से विनाशकारी महामारी के बाद सुधरती अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने का खतरा है। नए पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने ओपेक के प्रमुख देशों को फोन कर उनसे भारत की यह इच्छा जताई कि उपभोक्ताओं को वहनीय दरों पर पेट्रोलियम ईंधन मिलना चाहिए। पुरी ने कतर और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अपने समकक्षों से फोन पर बात करने के बाद बृहस्पतिवार की शाम को पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) के शीर्ष देश सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्री को फोन किया। पुरी ने ट्विटर पर लिखा, सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्री महामहिम शहजादे अब्दुल अजीज बिन सलमान अल सऊद के साथ वैश्विक ऊर्जा बाजारों में द्विपक्षीय ऊर्जा साझेदारी और विकास को मजबूत करने पर गर्मजोशी से और मैत्रीपूर्ण चर्चा हुई। उन्होंने कहा, मैंने वैश्विक तेल बाजारों को अधिक भरोसेमंद और स्थिरतापूर्ण बनाने के लिए तथा खनिज तेल की दरों को अधिक मुनासिब बनाने के लिए शहजादे अब्दुल अजीज के साथ काम करने की अपनी इच्छा व्यक्त की। सऊदी अरब दुनिया में कच्चे तेल का सबसे बड़ा निर्यातक है और इराक के बाद भारत के लिए दूसरे सबसे बड़ा स्रोत है। तेल की बढ़ती कीमतों से चिंतित भारत पश्चिम एशिया के प्रमुख तेल उत्पादक देशों से बराबर संपर्क कर रहा है। पुरी ने 14 जुलाई को संयुक्त अरब अमीरात के उद्योग मंत्री और अबु धाबी नेशनल ऑयल कंपनी (एडनॉक) के सीईओ अहमद अल जाबेर को फोन कर तेल की कीमतों कम करने में मदद मांगी थी।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को रुपये में गिरावट आई है। मुद्रा विनिमय बाजार में सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर तीन पैसे की गिरावट दिखाते हुए 74.57 पर बंद हुई। वहीं अन्तर बैंक विदेशी विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 74.53 पर खुला। कारोबार के दौरान यह 74.51 के दिन के उच्च स्तर और 74.66 के निम्न स्तर तक पहुंचा और अंत में पिछले कारोबारी सत्र के मुकाबले तीन पैसे का नुकसान दिखाते हुए 74.57 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इससे पहले गुरुवार को रुपया प्रति डॉलर 74.54 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 फिसदी नीचे आकर 92.56 रह गया।

तत्व चिंतन फार्मा केम का आईपीओ 70 मिनट के भीतर ही पूरा सब्सक्राइब हुआ

मुंबई।

गुजरात की केमिकल कंपनी तत्व चिंतन फार्मा केम का 500 करोड़ रुपये का आईपीओ शुक्रवार को खुलने के 70 मिनट के भीतर ही पूरा सब्सक्राइब हो गया। रिटेल निवेशकों ने इस आईपीओ को हाथोंहाथ लिया। इसके तहत 32,61,882 शेयर बिक्री के लिए रखे गए हैं, जबकि सुबह 11.10 तक 34,59,898 शेयरों के लिए बोली मिली थी। कंपनी ने आईपीओ से पहले 22 एंकर निवेशकों से 149.99 करोड़ रुपये जुटाए। इसके पहले फूड डिलीवरी कंपनी जोमैटो का आईपीओ 14 जुलाई को सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। रिटेल निवेशकों ने इस भी हाथोंहाथ लिया था। यह खुलने के 75 मिनट के भीतर ही यह पूरा सब्सक्राइब हो गया। आईपीओ में 10 फीसदी कोटा रीटेल निवेशकों के लिए रखा गया है। इसके लिए बोली लगाने का शुक्रवार को आखिरी दिन है। दूसरे दिन तक यह 5 गुना से अधिक सब्सक्राइब हुआ था। जहां तक तत्व चिंतन फार्मा केम का सवाल है,तब यह 20 जुलाई को बंद होगा। इसके लिए प्राइस बैंड 1073-1083 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय किया है। इसमें 225 करोड़ रुपये के ताजा शेयर हैं, जबकि मौजूदा निवेशक और प्रमोटर्स 275 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री के लिए है। आईपीओ के लिए कंपनी ने 13 शेयरों का लॉट साइज तय किया है। कम से कम 1 लॉट साइज के लिए बोली लगानी होगी। यानी निवेशक को अपर प्राइस बैंड 1083 रुपये के हिसाब से कम से कम 14,079 रुपये निवेश करना होगा। अधिकतम 14 लॉट यानी 182 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। मतलब इसमें अधिकतम 1,97,106 रुपये का निवेश किया जा सकता है।

रिकार्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद फिसला बाजार

सेंसेक्स, निफ्टी मामूली गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन रिकार्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद अंत में बेहद हल्की गिरावट के साथ बंद हुआ। कारोबार के दौरान दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतो का भी उसपर प्रभाव पड़ा। दिन भर के कारोबार के बाद अंत में तीस शेयरों पर बीएसई सेंसेक्स 18.79 अंक करीब 0.04 फीसदी की गिरावट के साथ 53,140.06 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 0.80 अंक तकरीबन 0.01 फीसदी की गिरावट के साथ 15,923.40 के स्तर पर बंद हुआ जबकि मिड और स्मॉल कैप इंडेक्स रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुए। बड़ी कंपनियों के शेयरों में डिविस लैब, भारती एयरटेल, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील और पावर ग्रिड के शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। वहीं एचसीएल टेक, इचर मोटर्स, इंफोसिस, बजाज फिनसर्व और अडाणी पोर्ट्स के शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। दूसरी ओर सेक्टोरियल इंडेक्स की बात करें तो आईटी, मीडिया, फाइनेंस सर्विसेज, प्राइवेट बैंक, बैंक और पीएसयू लाल निशान पर बंद हुए जबकि फार्मा, ऑटो, बैंक, मेटल, एफएमसीजी और रियल्टी हरे निशान पर बंद हुए। इससे पहले गत दिवस बाजार रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुआ था। सेंसेक्स के शेयरों में तीन फीसदी से अधिक की गिरावट के साथ सबसे अधिक नुकसान में एचसीएल टेक का शेयर रहा। इसके अलावा, इन्फोसिस, बजाज फिनसर्व, एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक और इंसइंड बैंक प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। वहीं दूसरी ओर भारती एयरटेल, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील और पावर ग्रिड समेत अन्य शेयर लाभ में रहे। जानकारों के अनुसार आईटी और वित्तीय शेयरों में मुनाफवसूली और बिकवाली के दबाव से बाजार ऊंचाई पर पहुंचने के बाद फिसल गया। इस दौरान निवेशकों का औषधि और उसके बाद धातु शेयरों पर जोर रहा। अच्छी कमाई की उम्मीद में मझोली ओर छोटी कंपनियों के शेयरों में तेजी बनी रही।

भगोड़े माल्या, नीरव और चोकसी को लगा एक और झटका, बैंकों ने वसूले 792.11 करोड़ रुपए

बिजनेस डेस्क:

प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने शुक्रवार को बताया कि उसने भगोड़ा कारोबारियों विजय माल्या, नीरव मोदी और मेहुल चौकसी के जब्त किए गए शेयरों की बिक्री से और 792.11 करोड़ रुपए की वसूली की गई है। ईडी द्वारा जब्त किए गए इन तीनों कारोबारियों के शेयरों को एसबीआई के नेतृत्व वाले एक कंसोर्टियम को हैंडओवर किए गए थे। कंसोर्टियम द्वारा इन शेयरों की बिक्री के जरिए कुल 792.11 करोड़ रुपए की राशि हासिल की गई है। प्रवर्तन निदेशालय ने आगे बताया कि विजय माल्या, नीरव मोदी और मेहुल चौकसी के मामले में जब्त की गई संपत्ति में से बैंकों/भारत सरकार को अबतक कुल 13,109.17 करोड़ रुपए की संपत्ति सौंपी जा चुकी है।

18,170.02 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त

पिछले महीने ही बैंक धोखाधड़ी के आरोपी माल्या, चोकसी और नीरव मोदी की 9,371 करोड़ रुपए की संपत्ति सरकारी बैंकों को ट्रांसफर की गई थी। प्रवर्तन निदेशालय ने कहा था कि प्रीवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत तीनों के मामले में 18,170.02 करोड़ रुपए (बैंकों को हुए कुल नुकसान का 80.45 फीसदी) की संपत्ति जब्त की गई है। साथ ही 9371.17 करोड़ रुपए की कुर्की/जब्त संपत्ति का एक हिस्सा भी सरकारी बैंकों और केंद्र सरकार को ट्रांसफर कर दिया गया है। जांच एजेंसी ने कहा कि माल्या और भगोड़े हीरा व्यापारी नीरव मोदी और मेहुल चोकसी, जो पीएनबी घोटाले में शामिल थे, ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को उनकी कंपनियों के जरिए धन की हेराफेरी करके धोखा दिया, जिसके चलते बैंकों को कुल 22,585.83 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। वहीं पीएमएलए ने पहले भगोड़े कारोबारी विजय माल्या की संपत्ति को जब्त करने का आदेश दे दिया था। कोर्ट ने विजय माल्या की 5,600 करोड़ की संपत्ति को बैंकों को सौंपने का आदेश दिया था, जो अबतक प्रवर्तन निदेशालय के पास थी।

सरकार ने एलआईसी में हिस्सेदारी बेचने की प्रक्रिया की शुरू

- सरकार ने एलआईसी के लिए मर्चेंट बैंकरों से बोलियां की आमंत्रित

नई दिल्ली । सरकार ने भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में हिस्सेदारी बेचने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रस्तावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के बारे में सहायता और परामर्श देने के लिये मेर्चेन्ट बैंकरों तथा विधि सलाहकारों से बोलियां आमंत्रित की गई हैं। निवेश और लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) हिस्सेदारी बिक्री मे सहायता और परामर्श के लिए 10 तक मर्चेन्ट बैंकरों और एक विधि कंपनी की नियुक्ति करेगा। दीपम के नोटिस के अनुसार बोली जमा करने की अंतिम तिथि छह अगस्त है। पिछले सप्ताह, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एलआईसी के आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (आईपीओ) को मंजूरी दे दी थी। निर्गम आकार, मूल्य निर्धारण और समय जैसे तौर-तरीकों का फैसला वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता वाली समिति करेगी। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में विनिवेश के जरिये 1.75 लाख करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए एलआईसी को बाजार में सूचीबद्ध कराना सरकार के लिए महत्वपूर्ण है।

जनवरी-जून में दिल्ली-एनसीआर में घरों की बिक्री में 100 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि: रिपोर्ट

नई दिल्ली:

अचल सम्पत्ति बाजार अनुसंधान एवं परामर्श कंपनी नाइट फ्रैंक इंडिया ने बृहस्पतिवार को कहा कि कोविड-19 की दूसरी लहर के बावजूद इस साल जनवरी से जून के बीच दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में घरों की बिक्री सालाना आधार पर 111 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 11,474 इकाई हो गई। पिछले साल यह संख्या 5,446 थी। नाइट फ्रैंक इंडिया ने एक वेबिनार में आठ शहरों- मुंबई महानगरीय क्षेत्र (एमएमआर), दिल्ली-एनसीआर, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे और अहमदाबाद के लिए अपनी रिपोर्ट इंडिया रियल एस्टेट - रेजिडेंशियल, जनवरी-जून 2021 जारी की। रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में 2021 कैलेंडर वर्ष (एच1 2021) की पहली छमाही में नई आवास इकाइयों की पेशकश भी 2020 के 1,422 इकाइयों से 107 प्रतिशत बढ़ कर 2,943 इकाई हो गई। नाइट फ्रैंक इंडिया के कार्यकारी निदेशक (उत्तर) मुदस्सीर जैदी ने कहा, दिल्ली एनसीआर के घरों के बाजार को महामारी की पहली लहर के दुष्परिणामों का प्रभाव झेलना पड़ा था क्योंकि सब जगह अनिश्चितता छायी हुई थी। रिपोर्ट के अनुसार डेवलपर्स द्वारा कम ब्याज दरों के साथ भुगतान विकल्पों में लचीलापन, और घरों की स्थिर कीमतें जैसी प्रोत्साहन योजनाओं ने लोगों की घर खरीदने की भावना को दोबारा प्रेरित किया। नाइटफ्रैंक की रिपोर्ट के अनुसार एनसीआर में विशेष रुप से 2020 की पहली तिमाही और 2020 चौथी तिमाही के दौरान घरों की बिक्री में पुनरुत्थान दिखाई देना शुरु हुआ और यह रुझान 2021 की पहली तिमाही में भी जारी रहा। डेवलपर कंपनियों की ओरसे द्वारा कम ब्याज दरों के साथ भुगतान विकल्पों में लचीलापन, और घरों की स्थिर कीमतें जैसी प्रोत्साहन योजनाओं से घर खरीदने वालों को प्रोत्साहन मिला। एनसीआर में मूल्य श्रेणी के हिसाब से 2021 की पहली छमाही के दौरान एनसीआर में 1 करोड़ रुपये से ज़्यादा मूल्य के घरों की बिक्री की संख्या सबसे ज़्यादा रही। कुल बिक्री में इस श्रेणी के मकानों का हिस्सा 2020 की पहली छमाही के 28प्रतिशत की तुलना में 39प्रतिशत रहा। इसी तहत 50 लाख रुपए से कम कीमत वाले घरों का हिस्सा 36 प्रतिशत रहा जो 2020 की पहली छमाही में 41प्रतिशत था।

लगातार 7वें महीने निर्यात में आई तेजी, भारत का एक्सपोर्ट जून में 48 प्रतिशत बढ़ा

बिजनेस डेस्क: वाणिज्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि पेट्रोलियम उत्पादों, रत्नों एवं आभूषणों, रसायनों, चमड़े और समुद्री वस्तुओं के निर्यात में अच्छी वृद्धि के कारण जून में देश का निर्यात 48.34 प्रतिशत बढ़कर 32.5 अरब डॉलर हो गया। इस तरह लगातार सातवें महीने निर्यात में वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं व्यापार घाटा 9.37 अरब डॉलर रहा। मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़े के मुताबिक जून 2020 में निर्यात 22 अरब डॉलर जबकि जून 2019 में 25 अरब डॉलर था। मई 2021 में निर्यात 32.27 अरब डॉलर था जबकि अप्रैल में यह 31 अरब डॉलर था। इस साल जून में आयात भी 98.31 प्रतिशत बढ़कर 41.87 अरब डॉलर हो गया। इसके साथ व्यापार घाटा 9.37 अरब डॉलर रहा, जबकि पिछले साल इसी महीने में व्यापार 0.79 अरब डॉलर अधिशेष में था। वाणिज्यक निर्यात के बादले आयात अधिक होने की स्थिति को व्यापार-घाटे की स्थिति कहा जाता है। अप्रैल-जून 2021 के दौरान, निर्यात 85.88 प्रतिशत बढ़कर 95.39 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों से पता चलता है कि वित्तीय वर्ष के पहले तीन महीनों के दौरान आयात बढ़कर 126.15 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले साल की इसी अवधि में 60.44 अरब डॉलर था। इस तिमाही में व्यापार घाटा अप्रैल-जून 2020 के 9.12 अरब डॉलर के मुकाबले 30.75 अरब डॉलर रहा। जून 2021 में व्यापार घाटा मई के मुकाबले बढ़ गया। यह मई में 6.28 अरब डॉलर था। जून 2021 में खनिज तेल आयात 10.68 अरब डॉलर का रहा, जो जून 2020 के 4.93 अरब डॉलर की तुलना में 116.51 प्रतिशत अधिक था।अप्रैल-जून 2021 के दौरान, तेल आयात पिछले वित्तीय वर्ष की इसी तिमाही के 13.08 अरब डॉलर के मुकाबले 31 अरब डॉलर रहा। आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल-जून 2021 में देश का कुल निर्यात 147.64 अरब डॉलर होने का अनुमान है। पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में यह 50.24 प्रतिशत की सकारात्मक वृद्धि को दर्शाता है। जून 2021 में सोने का आयात 60 प्रतिशत बढ़कर करीब 97 करोड़ डॉलर हो गया। निर्यात कंपनियों के शीर्ष संगठन फियो के अध्यक्ष ए शक्तिवेल ने कहा कि इस समय जरूरत इस बात की है कि आर-ओडीटीईपी योजना (निर्यात वस्तुओं पर कर और शुल्कों की वापसी की योजना) की दरें शीघ्रातिशीघ्र जारी की जाएं।

सरकार ने फसल वर्ष 2020-21 में रिकॉर्ड 32 करोड़ 98.6 लाख टन बागवानी उत्पादन का अनुमान लगाया

नई दिल्ली:

कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने बृहस्पतिवार को कहा कि फसल वर्ष 2020-21 (जुलाई-जून) में देश का बागवानी उत्पादन तीन प्रतिशत बढ़कर 32 करोड़ 98.6 लाख टन होने का अनुमान है। पिछले फसल वर्ष में बागवानी उत्पादन 32 करोड़ 4.7 लाख टन हुआ था। मंत्री ने कहा कि वर्ष 2020-21 के लिए बागवानी उत्पादन का दूसरा अग्रिम अनुमान, राज्यों और अन्य सरकारी स्रोत वाली एजेंसियों से प्राप्त जानकारी के आधार पर बनाया गया है। तोमर ने दूसरा अनुमान जारी करते हुए कहा, सरकार की किसान हितैषी नीतियों, किसानों के अथक प्रयासों और वैज्ञानिकों के शोध के परिणामस्वरूप वर्ष 2020-21 में 32 करोड़ 98.6 लाख टन बागवानी फसलों का उत्पादन हुआ। 'उत्पादन का अनुमान अब तक का सबसे अधिक है।' नवीनतम अनुमान के अनुसार, फसल वर्ष 2020-21 में फलों का उत्पादन 10 करोड़ 27.6 लाख टन होने का अनुमान है, जो उत्पादन वर्ष 2019-20 में 10 करोड़ 20.8 लाख टन था। सब्जियों का उत्पादन पिछले वर्ष के 18 करोड़ 82.8 लाख टन की तुलना में 19 करोड़ 62.7 लाख टन होने का अनुमान है। सब्जियों में, प्याज का उत्पादन वर्ष 2020-21 में दो करोड़ 69.2 लाख टन से अधिक होने का अनुमान है, जबकि वर्ष 2019-20 में दो करोड़ 60.9 लाख टन प्याज उत्पादन हुआ था। इसी तरह, आलू का उत्पादन पिछले वर्ष के चार करोड़ 85.6 लाख टन की तुलना में इस बार पांच करोड़ 36.9 लाख टन होने का अनुमान है। वर्ष 2019-20 में दो करोड़ 5.5 लाख टन की तुलना में वर्ष 2020-21 में टमाटर का उत्पादन 2.1 करोड़ टन होने की सूचना है। दूसरे अनुमान के अनुसार वर्ष 2020-21 में सुगंधित और औषधीय फसलों का उत्पादन बढ़कर 7.8 लाख टन होने का अनुमान है। एक साल पहले की अवधि में यह उत्पादन 7.3 लाख टन था। रोपण फसलों का उत्पादन पहले के एक करोड़ 61.2 लाख टन से बढ़कर एक करोड़ 66 लाख टन हो गया है जबकि मसालों का उत्पादन पहले के एक करोड़ 1.4 लाख टन से बढ़कर एक करोड़ 5.4 लाख टन हो गया है।

भारत में वित्त वर्ष 22 में बिजली की मांग 6 प्रतिशत बढ़ सकती है

नई दिल्ली।

फिच रेटिंग्स ने शुक्रवार को कहा कि वित्त वर्ष 2022 में भारत में बिजली की मांग में लगभग 6 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2021 में देश की बिजली की मांग में 1.2 प्रतिशत की गिरावट आई है, क्योंकि लॉकडाउन, हाल ही में महामारी के पुनरुत्थान के दौरान, 2020 की तुलना में कम प्रतिबंधात्मक और अधिक स्थानीयकृत था। मांग में वृद्धि के परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 22 में उच्च थर्मल पावर प्लांट लोड फैक्टर (पीएलएफ) होने की संभावना है। फिच को उम्मीद है कि कोयले से चलने वाले पीएलएफ बढ़ने से कोयले के आयात की मात्रा में थोड़ी वृद्धि होगी, क्योंकि हम उम्मीद करते हैं कि बढ़ी हुई कोयले की मांग का एक बड़ा हिस्सा बढ़ते घरेलू उत्पादन से पूरा होगा। रेटिंग एजेंसी के अनुसार, महामारी से देरी के कारण वर्ष के दौरान धीमी अक्षय क्षमता वृद्धि की उम्मीद है। सौर क्षमता, जो पिछले कुछ वर्षों में समग्र नवीकरणीय क्षमता परिवर्धन चला रही है, कुछ वितरण कंपनियों की हाल की अनिच्छा से आगे की प्रत्याशा में बिजली उत्पादन के लिए नीलामी के बाद विजेता बोलीदाताओं के साथ खरीद बिजली समझौतों पर हस्ताक्षर करने के लिए अतिरिक्त दबाव में है। फिच के अनुसार, केंद्र सरकार की तरलता योजना की प्रगति के तहत संवितरण के रूप में, उत्पादन कंपनियों की प्राप्य स्थिति में वित्त वर्ष 2022 में धीरे-धीरे सुधार होने की उम्मीद है, हालांकि महामारी के पुनरुत्थान से जोखिम बना हुआ है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना महामारी के कारण मिले ब्रेक से बेहतर खिलाड़ी बनी : सिंधू

नई दिल्ली। भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू ने कहा कि कोरोना महामारी के कारण मिले ब्रेक से उन्हें लाभ ही हुआ है। सिंधू के अनुसार इस दौरान मिले समय में वह बेहतर खिलाड़ी बनी हैं क्योंकि इससे उन्हें अपनी तकनीक और कौशल पर काम करने का अतिरिक्त समय ही मिला है। कोरोना महामारी के कारण ओलंपिक तैयारियां प्रभावित होने के सवाल पर इस खिलाड़ी ने कहा कि मुझे लगता है कि महामारी के दौरान ब्रेक उपयोगी था क्योंकि इससे मुझे अधिक सीखने और अपनी तकनीक तथा कौशल पर ध्यान देने का अवसर मिला इसलिए मैं कहूंगी कि एक प्रकार से इससे सहायता ही मिली। उन्होंने कहा कि इससे मेरी ओलंपिक की तैयारी अधिक प्रभावित नहीं हुई क्योंकि मुझे लगता है कि मुझे पर्याप्त समय मिला है। साथ ही कहा कि पहले हमारे पास अभ्यास के लिए समय नहीं होता इसलिए मुझे लगता है कि पहली बार हमें असल में ट्रेनिंग का पर्याप्त समय और ओलंपिक की तैयारियों के लिए मौका मिला है। विश्व की सातवें नंबर की खिलाड़ी सिंधू महिला एकल में ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली एकमात्र भारतीय हैं। उन्हें अपने से कम रैंकिंग वाली इजराइल की पोलिकारपोवा सेनिया और हांगकांग की च्युंग एनगान यी के साथ आसान ग्रुप जे में रखा गया है। सिंधु ने उम्मीद है कि लोगों की उम्मीदों में वह सफल रहते हुए पदक के साथ देश वापस आएंगी।

कोरोना संक्रमण के कारण ओलंपिक हॉकी फाइनल रद्द होने पर दोनों टीमों को मिलेगा स्वर्ण

तोक्यो।

ओलंपिक में हॉकी स्पर्धा के आयोजन में कई 'अगर मगर' से परेशान अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ ने शुक्रवार को कहा कि कोरोना संक्रमण मामलों के कारण अगर तोक्यो ओलंपिक में हॉकी फाइनल रद्द होता है तो दोनों टीमों को स्वर्ण पदक दिया जाएगा। एफआईएच के मुख्य कार्यकारी अधिकारी थियरे वील ने कहा कि कोरोना मामलों के कारण हॉकी स्पर्धा से नाम वापस लेने का अधिकार टीमों को होगा। तोक्यो ओलंपिक को आम खेलों से अलग बताते हुए उन्होंने कहा कि टीम में कोरोना के मामले आने पर भी वह खेल सकती है। उन्होंने कहा कि नियमों को लेकर काफी 'अगर मगर' है जिस पर स्पष्टीकरण की जरूरत है। उन्होंने उम्मीद जताई कि ऐसी नौबत ही नहीं आएगी जब किसी टीम को कोरोना के कारण नाम वापस लेना पड़ेगा। उन्होंने वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'ये खेल आम खेलों से अलग है। ये ओलंपिक इतिहास में दर्ज हो जाएंगे। यह पहले जैसे ओलंपिक नहीं है। सभी खिलाड़ियों और संबंधित लोगों को पता है कि उनका और लोगों का स्वास्थ्य दाव पर है।' कोरोना के कारण हॉकी टीम के नाम वापिस लेने संबंधी नियम के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा, 'कोई आंकड़ा तय नहीं है। यह टीम पर निर्भर करता है। छह, सात मामले आने पर भी टीम खेल सकती है। पूरी टीम प्रभावित होने पर ही नाम वापस लेने की नौबत आएगी।' एफआईएच द्वारा बनाए गए खेल विशेष नियमों (एसएसआर) के तहत अगर कोई टीम पूल मैच नहीं खेल पाती है तो दूसरी टीम को 5.0 से विजयी माना जाएगा। दोनों टीमें नहीं खेल पाती हैं तो इसे गोलरहित ड्रॉ माना जायगा। टीमें बाकी पूल मैच खेल सकती हैं। उन्होंने कहा, 'फाइनल में दोनों टीमों के नाम वापस लेने पर दोनों को स्वर्ण पदक दिया जाएगा। यह एसएसआर में साफ लिखा गया है।' एसएसआर के अनुसार अगर कोई टीम कांस्य पदक का मुकाबला नहीं खेल पाती है तो उसकी जगह किसी और टीम को मौका नहीं मिलेगा बल्कि उसकी विरोधी टीम को कांस्य पदक दे दिया जाएगा। दोनों टीमों के नहीं खेल पाने पर दोनों टीमों को कांस्य मिलेगा। वील ने कहा कि खेल शुरू होने पर कई चीजें साफ होंगी। उन्होंने कहा, 'कई अनुत्तरित प्रश्न हैं। मसलन हारने वाली टीम या खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा के तुरंत बाद रवाना हो जाते हैं लेकिन टोक्यो में पता नहीं क्या होगा।'

आम तौर पर ओलंपिक में हॉकी टीम में 16 खिलाड़ी होते हैं लेकिन इस बार कोरोना काल की वजह से हर टीम को दो अतिरिक्त खिलाड़ी और एक रिजर्व गोलकीपर रखने की अनुमति दी गई है। तोक्यो ओलंपिक में हॉकी स्पर्धा 24 जुलाई से शुरू होगी।

चेन्नइयन एफसी के साथ रहेंगे क्रिवेलारो

चेन्नई।

अटैकिंग मिडफील्डर राफेल क्रिवेलारो ने आईएसएल क्लब चेन्नइयन एफसी (सीएफसी) के साथ एक बहु-वर्षीय करार किया है। 2020-21 में दो बार के इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) चैंपियन चेन्नइयन एफसी की कप्तानी करने वाले 32 वर्षीय क्रिवेलारो एटीके मोहन बागान के खिलाफ खेल के दौरान टखने में चोट लगने के बाद लगभग आधे सत्र के लिए बाहर हो गए थे। क्रिवेलारो 2019-20 में सात गोलों के साथ लीग में निरंतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी रहे थे। ब्राजाली के इस खिलाड़ी ने लगातार तीसरे सीजन के लिए क्लब में वापसी पर कहा, मैं चेन्नइयन एफसी के साथ बने रहने से बहुत खुश हूं। जब से मैं क्लब में शामिल हुआ हूं, मेरा प्रशंसकों, शहर और कर्मचारियों के साथ एक विशेष बंधन रहा है। मुझे चेन्नई से प्यार है। मेरे लिए यह हमेशा घर जैसा महसूस होता है। पिछले सीजन में, चोट ने मुझे दूर रखा, और अब मैं टीम के साथ वापस आने और मैदान पर सब कुछ देने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। मरीना मचान्स के लिए अपने 27 इंडियन सुपर लीग मैचों में खेलने वाले क्रिवेलारो दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित क्लब प्रतियोगिताओं में से एक में खेलने के अलावा, यूरोपा लीग, पुर्तगाली शीर्ष स्तरीय टीम विटोरिया गुइमारेस का भी हिस्सा थे इस क्लब ने 2012-13 में टाका डी पुर्तगाल (पुर्तगाली कप) जीता था।

ऑस्ट्रेलियाई टेनिस खिलाड़ी डि मिनाउर को लगा बड़ा झटका, इस कारण ओलंपिक से हुए बाहर

टोक्यो। ऑस्ट्रेलियाई टेनिस खिलाड़ी एलेक्स डि मिनाउर कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद तोक्यो ओलंपिक से बाहर हो गए हैं। ऑस्ट्रेलियाई ओलंपिक टीम के दल प्रमुख इयान चेस्टरमैन ने मीडिया को बताया कि मिनाउर इस घटना से बहुत दुखी हैं। उन्होंने कहा, 'हम सभी एलेक्स के लिए दुखी हैं। ओलंपिक में ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलना बचपन से उसका सपना था। विश्व रैंकिंग में 17वें स्थान पर काबिज मिनाउर को एकल और युगल दोनों वर्ग में खेलना था। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि उनके जोड़ीदार जॉन पीयर्स की टीम में जगह रहेगी या नहीं। ऑस्ट्रेलियाई ओलंपिक समिति ने सिडनी में जारी एक बयान में कहा, 'एलेक्स ने तोक्यो जाने से 96 और 72 घंटे पहले भी कोरोना टेस्ट कराया था लेकिन दोनों नतीजे पॉजिटिव निकले। मिनाउर को स्पेन से तोक्यो जाना था। चेस्टरमैन ने कहा कि विम्बलडन के दौरान उनका टेस्ट नेगेटिव आया था और उसके बाद से कोई ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी उनके संपर्क में नहीं है। ऑस्ट्रेलिया के बाकी खिलाड़ियों की रिपोर्ट नेगेटिव आई है।

टी20 विश्व कप

भारत और पाकिस्तान एक ग्रुप में

दुबई।

भारत और पाकिस्तान की टीम इस साल होने वाले टी20 विश्व कप में सुपर-12 में एक ही ग्रुप में शामिल हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने शुक्रवार को टूर्नामेंट के लिए ग्रुप की घोषणा की। टी20 विश्व कप का आयोजन 17 अक्टूबर से 14 नवंबर तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ओमान में कराया जाएगा। राउंड-1 में आठ टीमें होंगी जिसमें ऑटोमेटिक क्वालीफायर्स श्रीलंका और बांग्लादेश शामिल हैं। ये टीमें उन छह टीमों के खिलाफ खेलेंगी जिन्होंने क्वालीफाईंग इवेंट के जरिए इस टूर्नामेंट में जगह बनाई है। आयरलैंड, नीदरलैंड, नामीबिया श्रीलंका के साथ ग्रुप ए में जबकि ओमान, पीएनजी, स्कॉटलैंड और बांग्लादेश ग्रुप बी में होंगे। सुपर-12 में ग्रुप-1 में गत विजेता वेस्टइंडीज, 2010 की चैंपियन इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका है। इनके अलावा राउंड-1 से क्वालीफाई करने वाली अन्य दो टीम भी इस ग्रुप में शामिल होंगी। ग्रुप-2 में 2007 की चैंपियन टीम भारत, 2009 की विनर पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान और राउंड-1 से क्वालीफाई करने वाली अन्य दो टीम होंगी। दोनों ग्रुप से शीर्ष दो टीम सुपर-12 स्टेज में पहुंचेगी। दो टीमें 20 मार्च 2021 की टीम रैंकिंग के आधार पर चुनी जाएंगी। भारत का टी20 विश्व कप के सभी सत्रों में पाकिस्तान के खिलाफ 5-0 का रिकॉर्ड रहा है। भारत और पाकिस्तान के एक ही ग्रुप में होने से दोनों देशों के बीच एक बार फिर आईसीसी के टूर्नामेंट में जोरदार मुकाबला देखने को मिलेगा। आईसीसी के कार्यवाहक सीईओ जिओफ एर्लाडिस ने कहा, पुरुष टी20 विश्व कप के लिए ग्रुप की घोषणा कर खुशी हो रही है। इस दौरान कई दिलचस्प मुकाबले देखने को मिलेंगे। टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा बाद में की जाएगी।

ग्रुप इस प्रकार हैं :

राउंड-1 :

ग्रुप ए : श्रीलंका, आयरलैंड, नीदरलैंड और नामीबिया

ग्रुप बी : बांग्लादेश, स्कॉटलैंड, पापुआ न्यू गुएना (पीएनजी) और ओमान।

सुपर-12 :

ग्रुप 1 : इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, ए1 और बी2

ग्रुप 2 : भारत, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान, ए2 और बी1।

संक्षिप्त समाचार

नोवाक जोकोविच ने किया कंफर्म, टोक्यो ओलंपिक में लेंगे हिस्सा

बेलग्रेड। विम्बलडन चैम्पियन नोवाक जोकोविच ने कहा कि वह सर्बिया के लिए टोक्यो ओलंपिक खेलेंगे जिससे 'गोल्डन स्लैम' का उनका सपना पूरा हो सकता है। जोकोविच ने ट्वीट किया कि उन्होंने टिकट करा ली है और ओलंपिक में सर्बिया के लिए खेलना उनके लिए गर्व की बात है। जोकोविच ने रविवार को ही विम्बलडन जीता जो उनके कैरियर का 20वां ग्रैंडस्लैम खिताब है। उन्होंने उसके बाद कहा था कि वह अभी कह नहीं सकते कि टोक्यो ओलंपिक खेलेंगे या नहीं। अगर वह टोक्यो ओलंपिक में एकल स्वर्ण जीतते हैं और अमेरिकी ओपन खिताब भी जीत लेते हैं तो 'गोल्डन स्लैम' पूरा करने वाले पहले पुरूष टेनिस खिलाड़ी बन जाएंगे। इसमें एक ही साल में चारों ग्रैंडस्लैम और ओलंपिक स्वर्ण शामिल है। स्टेफी ग्राफ अकेले टेनिस खिलाड़ी हैं जो यह कारनामा कर चुकी हैं। उन्होंने 1988 में चारों ग्रैंडस्लैम और ओलंपिक स्वर्ण जीता था।

टोक्यो ओलंपिक को यादगार बनाना चाहेंगी इतिहास रच चुकी भारतीय तलवारबाज भवानी

नई दिल्ली। यूं तो तलवारबाजी भारतीय रणबांकुरों की शौर्यगाथाओं का हिस्सा रही है लेकिन खेल के रूप में इसे पहचान दिलाई टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय तलवारबाज सीए भवानी देवी ने। शौर्य और सफलता की नई कहानी लिख चुकी यह वीरांगना अब अब टोक्यो में शानदार प्रदर्शन करके भारतीय ओलंपिक के इतिहास का एक सुनहरा पन्ना लिखना चाहेंगी। भारत का ओलंपिक खेलों की स्पर्धाओं में भागीदारी का दायरा धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा है और इसी कड़ी में नया नाम जुड़ा चेन्नई की 27 साल की सेबर तलवारबाज भवानी का। भवानी देश की पहली (महिला या पुरूष) तलवारबाज हैं जो ओलंपिक में शिरकत करेंगी। भारत में तलवारबाजी युद्ध कौशल के रूप में जाना जाता रहा है लेकिन खेल के रूप में यह इतना लोकप्रिय नहीं है। विश्व रैंकिंग में इस समय 42वें स्थान पर काबिज भवानी ने बुडापेस्ट में सेबर तलवारबाजी विश्व कप की टीम स्पर्धा में दक्षिण कोरिया के क्वार्टरफाइनल में हंगरी को हराने से ओलंपिक में जगह बनाई। दक्षिण कोरिया के खिलाड़ियों को टीम रैंकिंग के हिसाब से ओलंपिक में जगह मिल गई थी और एशिया के लिये सुरक्षित कोटे पर भवानी ने आधिकारिक रैंकिंग एशिया/ओसनिया जोन से क्वालीफाई किया। भवानी ने क्वालीफाई करने के बाद इटली से वर्चुअल कांफ्रेंस में कहा था, 'किसी ने मुझसे पूछा कि अब ओलंपिक के लिये क्वालीफाई कर लिया है तो क्वार्टरफाइनल तक पहुंचने के लिए कैसे योजना बना रही हो। मैंने कहा कि सिर्फ क्वार्टरफाइनल क्यों, फाइनल्स क्यों नहीं। आत्मविश्वास से भरी भवानी ने कहा था, 'मैं टोक्यो ओलंपिक में अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहती हूं और मैं खुद को यह सोचने में सीमित नहीं करना चाहती कि वैश्विक स्पर्धा में मैं क्या हासिल कर सकती हूं और क्या नहीं। संभावनायें असीमित हैं।

भारत ने लंदन ओलंपिक में बेहतर पुरुष हॉकी टीम उतारी थी : भरत

बेंगलुरु।

भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान भरत छेत्री ने कहा है कि देश ने 2012 लंदन ओलंपिक में बेहतर टीम उतारी थी लेकिन दुर्भाग्य से टीम अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रही थी। पूर्व भारतीय गोलकीपर ने हॉकी इंडिया के साथ चर्चा में कहा कि 2008 बीजिंग ओलंपिक में क्वालीफाई नहीं कर पाने की निराशा के बाद वह लंदन ओलंपिक में टीम का नेतृत्व करने के लिए उत्सुक थे। भरत ने कहा, वर्ष 2008 हम सभी के लिए दुखद था क्योंकि हम ओलंपिक के लिए क्वालीफाई नहीं कर सके थे, इसलिए जब हमने 2012 ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया तो यह सुखद अनुभव था। लंदन जाना हमारे लिए काफी अच्छा था। हालांकि टीम बेहतर नहीं कर सकी और आखिरी स्थान पर रही। उन्होंने कहा, हमने 2012 ओलंपिक में अच्छी टीम उतारी थी लेकिन जैसा हमें प्रदर्शन करना चाहिए था वैसा नहीं कर सके। हमने नीदरलैंड के खिलाफ पहले मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था भले ही हम वो मुकाबला 2-3 से हार गए थे। हमें शेष मुकाबलों में अपने खेल को अगले स्तर पर ले जाने की जरूरत थी लेकिन हम ऐसा नहीं कर सके थे। भारतीय पुरुष और महिला टीमों के टोक्यो में पदक जीतने की उम्मीद पर भरत ने कहा, दोनों टीमें बेहतर हैं। इन्होंने पिछले कुछ दिनों में अच्छा प्रदर्शन किया है। मुझे लगता है कि टीम के पास टोक्यो में पदक जीतने का बेहतर मौका है। खिलाड़ी काफी फिट हैं।

मानसिक स्वास्थ्य चिंताओं के कारण विंडीज दौरे से हटा : सैम्स

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर डेनियल सैम्स का कहना है कि उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज से हटने का दुख नहीं है क्योंकि वह इससे मानसिक स्वास्थ्य चिंताओं की वजह से हटे थे। ऑस्ट्रेलिया की टीम फिलहाल पांच मैचों की टी20 सीरीज और तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए विंडीज दौरे पर है। सैम्स इस दौरे से हट गए थे। सैम्स ने कहा, मुझे इस बात का कोई दुख नहीं है। मुझे इसका ख्याल आया था लेकिन अंत में मैंने यह फैसला आगे को देखते हुए लिया। उन्होंने कहा, परिवार सबसे ज्यादा जरूरी होता है और इसके बाद मेरा मानसिक स्वास्थ्य जरूरी है। मैंने यह फैसला घर जाने के लिए किया जिससे लंबे समय तक सही रहूं। मैं वहां जाना पसंद करता लेकिन मेरे ख्याल से यह मेरे तथा मेरे परिवार के लिए सही फैसला है। सैम्स ने भारत के खिलाफ डेब्यू किया था और उन्होंने अबतक चार मैच खेले हैं। वह इस बारे में अनिश्चित हैं कि खिलाड़ी इतने लंबे बायो बबल में किस तरह ढल रहे हैं। सैम्स ने कहा, यह ऐसा है जिसमें हम ढले नहीं है लेकिन हमें इसमें ढलना होगा और खुद को इसके लिए तैयार करने के प्लान ढूंढने होंगे। यह ऐसा है जिसके बारे में सोचता हूं लेकिन मुझे खुद को बबल में ढालना होगा।

युगांडा का भारोत्तोलक टोक्यो होटल से गायब

ओसाका। युगांडा का भारोत्तोलक जो पश्चिमी जापान में टोक्यो ओलंपिक शुरू होने से पहले ट्रेनिंग कर रहे थे, वह अचानक गायब हो गए हैं। याहू जापान की रिपोर्ट के मुताबिक प्रशासन युगांडा दल के साथ आए 20 वर्षीय जुलियस सेकितोलेको की खोज में जुटी है, जो ओसाका प्रायद्वीप के इजुमिसानो में ओलंपिक से पहले ट्रेनिंग कैंप कर रहे थे। सेकितोलेको रोजाना दी जाने वाली पीसीआर टेस्ट की रिपोर्ट भी दिखाने में नाकाम रहे थे। इसके बाद वह होटल के कमरे में नहीं मिले। इजुमिसानो ने बयान जारी कर कहा, युगांडा दल का एक सदस्य अचानक से गायब हो गया है और यहां नहीं पहुंचा है। हम उन्हें ढूंढने पूरी कोशिश कर रहे हैं। इस बारे में पुलिस को भी सूचना दी गई है। युगांडा दल उन टीमों में से जो टोक्यो ओलंपिक के लिए पहले ही जापान पहुंच गया था। ओलंपिक का आयोजन 23 जुलाई से होगा।

भारतीय ओलंपिक टीम का आधिकारिक पार्टनर बना स्पोर्ट्स फॉर ऑल

नई दिल्ली।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने शुक्रवार को स्पोर्ट्स फॉर ऑल (एसएफए) को टोक्यो 2020 ओलंपिक खेलों के लिए भारतीय ओलंपिक दल के आधिकारिक पार्टनर के रूप में शामिल किया। आईओए के महासचिव राजीव मेहता ने कहा, हम अपने आधिकारिक स्पोर्ट्स एडटेक पार्टनर के रूप में एसएफए को पाकर बहुत उत्साहित हैं। अपने प्रौद्योगिकी संचालित प्लेटफॉर्म और मेगा-स्केल के साथ, स्कूल और कॉलेज स्तर पर ऑन-ग्राउंड मल्टी-स्पोर्ट प्रतियोगिताओं का आयोजन करेगा। साथ ही यह हमारे बच्चों और युवाओं को उनकी सर्वश्रेष्ठ खेल क्षमता का पीछा करने के लिए सशक्त बनाने और सक्षम करने काम भी करेगा, जिससे कि आने वाले समय में भारत के ओलंपिक सपनों को पूरा किया जा सके। साल 2015 में एसएफए की स्थापना करने वाले ऋषिकेश जोशी और विश्वास चोकसी ने कहा, आईओए और टीम इंडिया के साथ हमारा जुड़ाव हमारे इस दृढ़ विश्वास पर कायम है कि भारत के बच्चों को उनकी खेल यात्रा के शुरूआती चरणों में ही बेहतरीन खेल मंच प्रदान करके, हम आने वाले वर्षों में भारत का प्रतिनिधित्व करने और वैश्विक खेल मानचित्र के शीर्ष पर ले जाने की दिशा में उनकी प्रगति को बढ़ावा दें सकते हैं। एसएफए ने एक पूरी तरह से एकीकृत फिजिटल (ऑनलाइन और ऑन-ग्राउंड का काम्बीनेशन) मंच तैयार किया है जो प्रौद्योगिकी के माध्यम से ऑन-ग्राउंड प्रतियोगिताओं के साथ-साथ खेल शिक्षा को सक्षम बनाता है। यह अनुभव और उपकरणों के सही सेट के साथ खेल के 30 स्पधाओं में एथलीटों की पहचान, पोषण और उन्हें सशक्त बनाने में मदद करता है। विश्वास ने कहा, हर बच्चा छोटी उम्र में खेल चुनता है। चाहे वह मौज-मस्ती करने, जीवन कौशल सीखने, फिट रहने या भारत का प्रतिनिधित्व करने की आकांक्षाओं के लिए ऐसा करत हो, एसएफए उनके सफर को सुविधाजनक बनाने और प्रेरित करने का काम करेगा। प्रौद्योगिकी हमारे बैकबोन में है और इसकी मदद से हम मल्टी स्पोर्ट ट्रेनिंग और ऑन-ग्राउंडप्रतियोगिताओं को सभी के लिए किफायती और सुलभ बना रहे हैं। ऋषिकेश ने कहा, भारत में एक वैश्विक खेल महाशक्ति बनने की क्षमता है। खेलों को एक करियर विकल्प बनाने के लिए हमें एक मजबूत परिस्थिति का तंत्र बनाने की जरूरत है। हमारा मंच प्रशिक्षकों और अकादमियों को उन बच्चों से जुड़ने में सक्षम बनाएगा जो कोई भी खेल सीखना चाहते हैं। यह हमारे भविष्य के चैंपियन के लिए एक व्यवस्थित और रणनीतिक तरीके से नींव तैयार करेगा।

कार्तिक ने क्रिकेट किट की तस्वीर पोस्ट कर खेलने की इच्छा जतायी

लंदन। इंग्लैंड में कमेंटेटर की भूमिका निभा रहे केटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने अपनी एक तस्वीर क्रिकेट किट के साथ भेजी हैं। इससे माना जा रहा है कि कि कार्तिक अब भी भारतीय टीम की ओर से खेलना चाहते हैं। उनका यह ट्वीट ऐसे समय आया है जब भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत संक्रमित पाये जाने के बाद पृथकवास में हैं, वहीं अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा भी एक पॉजिटिव व्यक्ति के संपर्क में आने के कारण टीम से अलग रखे गये हैं। इन हालातों में टीम के पास केवल एक विकेटकीपर लोकेश राहुल ही है, ऐसे में कार्तिक को अपने लिए जगह बनती दिख रही है। कार्तिक ने अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास नहीं लिया है और उनका लक्ष्य आगामी टी20 विश्व कप खेलना है। भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के पहले एक काउंटी टीम के खिलाफ 20 जुलाई से डरहम में अभ्यास मैच भी खेलना है। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का पहला मैच 4 अगस्त से खेला जाएगा। कार्तिक को जब टीम में जगह नहीं मिली तभी व कमेंटेटर के तौर पर यहां आये हैं। वह आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ओर से खेलते हैं। उनका प्रयास आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन कर टीम में वापसी करना है। कार्तिक ने कहा कि वह कॉमेंटेटर के तौर पर इसलिए आये हैं ताकि यह बात साबित कर सकें कि रिटायरमेंट के बाद ही कमेंट्री की जा सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रसायानिक खेती का बेहतर विकल्प 'बेंवर खेती'

यह जानकर आपको आश्चर्य होगा कि हमलोग प्रतिदिन 0.5 मिली ग्राम जहर खाते हैं। लेकिन यह सच है। इंटरनेश्नल फाउंडेशन आफ आर्गेनिक एग्रीकल्चर मूवमेंट नामक अंतरराष्ट्रीय संस्था ने आलू के 100 नमूनों में से 12 और टमाटर के 100 नमूनों में से 48 में जहर पाया था। इसी तरह उत्तरप्रदेश के वैज्ञानिकों ने एक शोध में पाया कि हमारे शरीर में साल भर में करीब 174 मिली ग्राम जहर पहुंचता है और यह जहर अगर शरीर में एक साथ पहुंच जाए तो व्यक्ति की मृत्यु सुनिश्चित है। जानते हैं शरीर के अंदर यह जहर दूध, फल, सब्जी और अनाज खाने से धीमे गति से पहुंचता है और यह सब आज के रसायनिक खेती में उपयोग होने वाले उर्वरक के कारण हो रहा है।

देखा जाए तो हम लोग ज्यों-ज्यों विकास की ओर अग्रसर हो रहे हैं, हम अपनी संस्कृति और परंपराओं को पीछे छोड़ते जा रहे हैं। हमने वर्ष 1966-67 में हरित क्रांति का आगाज तो किया, लेकिन अंधाधुंध रसायनों और कीटनाशकों का उपयोग करके। जिसका परिणाम आज फलों व सब्जियों में जहर के रूप में सामने आ रहा है। मौजूदा समय में जरूरत है तो इस रसायनिक खेती के बेहतर विकल्प तलाशने की और वह जैविक खेती के रूप में सामने आ रहा है। अर्थात फिर से प्राकृतिक तरीके से खाद तैयार कर खेती करना। लेकिन हम आदिवासियों की 'बेंवर खेती' को क्यों भूल रहे हैं, जिसमें खेती करने के लिए न तो किसी प्रकार की खाद व दवाई की आवश्यकता पड़ती है और न ही सिंचाई करने के लिए पानी और हल से जोत की जरूरत। उसके बावजूद इसमें बम्पर पैदावार होती है। विशेषकर यह पहाड़ी इलाकों के लिए बेहतर विकल्प बनकर उभर सकता है।

रसायनिक खेती के जहां ज्यादा नुकसान हैं, वहीं बेंवर खेती के कई फायदे हैं। बिना हल चलाए खेती करने से पहाड़ अथवा ढ़लान की मिट्टी के कटाव को रोका जाता है। इसके खेत तैयार करने के लिए न तो पेड़ों को काटा जाता है और न ही जमीन जोती जाती है। इसकी सिंचाई व इसमें खाद डालने के लिए किसानों को सोचना भी नहीं पड़ता है। यह पूरी तरह बारिश पर निर्भर है। इसलिए इस तरह की खेती पहड़ी इलाकों में ज्यादा सुरक्षित है, जहां बारिश समय पर होती है। बेंवर ख्रेती की मिश्रित प्रणाली के कारण फसल में कीड़ा लगने का खतरा भी नहीं रहता है। इसमें बाढ़ व आकाल झेलने की क्षमता भी होती है और यह कम लागत व अधिक उत्पादन की तर्ज पर काम करता है। फिलहाल बैगा आदिवासी इसमें डोंगर, कुटकी, शांवा, सलहार, मंडिया, खास, झुंझरू, बिदरा, डेंगरा, ज्वार, कांग, उड़द, ककड़ी, मक्का, भेजरा सहित सौ से ज्यादा अनाज उगाते हैं। इसके अलावा औषधि की भी खेती करते हैं।

बेंवर खेती के लिए जमीन तैयार करने में भी मशक्कत नहीं करनी पड़ती। मौजूदा खेती की तरह इसमें किसानों को न तो बिजली, पानी के लिए रोना पड़ता है और न ही उर्वरक लेने के लिए मारामारी करनी पड़ती है। इसमें सबसे पहले खेती की जमीन पर छोटे-छोटे पेड़ों व झाड़ियों को काटकर बिछाया जाता है, फिर झाड़ियां सूखने के बाद उसमें आग लगा दी जाती है। आग जलने के बाद राख की वहां एक परत बन जाती है, जिसमें बरसात शुरू होने से एक सप्ताह पहले विभिन्न किस्मों के बीज मिलाकर उसे खेत में छिड़क दिया जाता है। बारिश के बाद उसमें फसल लहलहाने लगता है।

आज भी इस तरह की खेती आदिवासी इलाकों में होती है। यह जैविक खेती का ही एक रूप है। डिंडौरी जिले के समनापुर विकासखंड के कई गांवों में बैगा आदिवासी इस तरह की खेती करके अनाज का उत्पादन करते हैं और अपनी आजीविका चलाते हैं। 'बेंवर खेती' पूरी तरह से जैविक, पारिस्थितिक, प्रकृति के अनुकुल और मिश्रित खेती है। इसकी खासियत यह है कि इस खेती में एक साथ 16 प्रकार के बीजों का इस्तेमाल किया जाता है, उनमें कुछ बीज अधिक पानी में अच्छी फसल देता है, तो कुछ बीज कम पानी होने या सूखा पड़ने पर भी अच्छा उत्पादन करता है। इससे खेत में हमेशा कोई-न-कोई फसल लहलहाते रहता है। इससे किसानों के परिवार को भूखे मरने की नौबत भी नहीं आती और न ही किसान को आत्महत्या करने की स्थिति उत्पन्न होती है। फिलहाल इस तरह की खेती पर रोक लगी हुई है। सन् 1864 में अंग्रेजों के वन कानून ने इस पर रोक लगा दी है। उसके बाद भी डिंडौरी जिले के बैगाचक और बैगाचक से लगे छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में कुछ बैगा जनजाति 'बेंवर खेती' को अपनाए हुए है। सरकार को चाहिए की इसे बढ़ावा दे और इससे शहरी किसानों को भी जोड़े।

लेकिन हम आदिवासियों की 'बेंवर खेती' को क्यों भूल रहे हैं, जिसमें खेती करने के लिए न तो किसी प्रकार की खाद व दवाई की आवश्यकता पड़ती है और न ही सिंचाई करने के लिए पानी और हल से जोत की जरूरत। उसके बावजूद इसमें बम्पर पैदावार होती है। विशेषकर यह पहाड़ी इलाकों के लिए बेहतर विकल्प बनकर उभर सकता है।

रसायनिक खेती के जहां ज्यादा नुकसान हैं, वहीं बेंवर खेती के कई फायदे हैं। बिना हल चलाए खेती करने से पहाड़ अथवा ढ़लान की मिट्टी के कटाव को रोका जाता है। इसके खेत तैयार करने के लिए न तो पेड़ों को काटा जाता है और न ही जमीन जोती जाती है। इसकी सिंचाई व इसमें खाद डालने के लिए किसानों को सोचना भी नहीं पड़ता है। यह पूरी तरह बारिश पर निर्भर है। इसलिए इस तरह की खेती पहड़ी इलाकों में ज्यादा सुरक्षित है, जहां बारिश समय पर होती है। बेंवर ख्रेती की मिश्रित प्रणाली के कारण फसल में कीड़ा लगने का खतरा भी नहीं रहता है। इसमें बाढ़ व आकाल झेलने की क्षमता भी होती है और यह कम लागत व अधिक उत्पादन की तर्ज पर काम करता है। फिलहाल बैगा आदिवासी इसमें डोंगर, कुटकी, शांवा, सलहार, मंडिया, खास, झुंझरू, बिदरा, डेंगरा, ज्वार, कांग, उड़द, ककड़ी, मक्का, भेजरा सहित सौ से ज्यादा अनाज उगाते हैं। इसके अलावा औषधि की भी खेती करते हैं।

बेंवर खेती के लिए जमीन तैयार करने में भी मशक्कत नहीं करनी पड़ती। मौजूदा खेती की तरह इसमें किसानों को न तो बिजली, पानी के लिए रोना पड़ता है और न ही उर्वरक लेने के लिए मारामारी करनी पड़ती है। इसमें सबसे पहले खेती की जमीन पर छोटे-छोटे पेड़ों व झाड़ियों को काटकर बिछाया जाता है, फिर झाड़ियां सूखने के बाद उसमें आग लगा दी जाती है। आग जलने के बाद राख की वहां एक परत बन जाती है, जिसमें बरसात शुरू होने से एक सप्ताह पहले विभिन्न किस्मों के बीज मिलाकर उसे खेत में छिड़क दिया जाता है। बारिश के बाद उसमें फसल लहलहाने लगता है।

आज भी इस तरह की खेती आदिवासी इलाकों में होती है। यह जैविक खेती का ही एक रूप है। डिंडौरी जिले के समनापुर विकासखंड के कई गांवों में बैगा आदिवासी इस तरह की खेती करके अनाज का उत्पादन करते हैं और अपनी आजीविका चलाते हैं। 'बेंवर खेती' पूरी तरह से जैविक, पारिस्थितिक, प्रकृति के अनुकुल और मिश्रित खेती है। इसकी खासियत यह है कि इस खेती में एक साथ 16 प्रकार के बीजों का इस्तेमाल किया जाता है, उनमें कुछ बीज अधिक पानी में अच्छी फसल देता है, तो कुछ बीज कम पानी होने या सूखा पड़ने पर भी अच्छा उत्पादन करता है। इससे खेत में हमेशा कोई-न-कोई फसल लहलहाते रहता है। इससे किसानों के परिवार को भूखे मरने की नौबत भी नहीं आती और न ही किसान को आत्महत्या करने की स्थिति उत्पन्न होती है। फिलहाल इस तरह की खेती पर रोक लगी हुई है। सन् 1864 में अंग्रेजों के वन कानून ने इस पर रोक लगा दी है। उसके बाद भी डिंडौरी जिले के बैगाचक और बैगाचक से लगे छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में कुछ बैगा जनजाति 'बेंवर खेती' को अपनाए हुए है। सरकार को चाहिए की इसे बढ़ावा दे और इससे शहरी किसानों को भी जोड़े।

सब्जियों की खेती के लिए तैयार करें पौधशाला

सब्जियों की खेती के लिए पौधशाला या नर्सरी में पौध तैयार करना एक कला है। इसे अच्छी तरह से तैयार करने के लिए तकनीकी जानकारी का होना आवश्यक है। सब्जियों की नर्सरी को मौसम और बेमौसम की दशा में सफलतापूर्व तैयार करने के लिए वैज्ञानिक तकनीकी अपनाकर किसान अच्छी खेती कर सकते हैं।

सब्जियों की खेती दो प्रकार से की जाती है। पहली में सब्जियों के बीजों को सीधा खेत में बिजाई कर दी जाती है जैसे - मटर, भिंडी, लोबिया, गाजर, मूली, शलगम व कद्दूवर्गीय फसलें, पत्ते वाली सब्जियां व फ्रेंच बीन आदि। दूसरे प्रकार में पहले बीजों को पौधशाला में बिजाई करके पौध तैयार की जाती है उसके बाद पौध की खेत में रोपई की जाती है जैसे - फूलगोभी, पत्तागोभी, ब्रोकली, टमाटर, बैगन, मिर्च, शिमला मिर्च, प्याज व गांठगोभी आदि।

उत्तर भारत में फूलगोभी व मिर्च की अगेती व मध्यकाल फसल की पौध तैयार करने के समय अधिक गर्मी के साथ-साथ वर्षा भी होती रहती है जिससे नर्सरी में आर्द्रगलन रोग लग जाने के कारण काफी पौध मर जाती है।

पौधशाला तैयार करने का स्थान-

पौधशाला या नर्सरी हमेशा ऊंचे स्थान पर तैयार करें जिसमें पानी ना भर सके तथा उसका उचित जल निकास हो सके। नर्सरी के नजदीक छायादार वृक्ष नहीं होने चाहिए। नर्सरी की भूमि बलुई दोमट व पीएच मान छह से सात के बीच होना चाहिए। नर्सरी को जहां तक हो उसी खेत के किनारे तैयार करना चाहिए जहां उनकी रोपाई करनी है।

सब्जियों की स्वस्थ पौध तैयार करने के लिए आवश्यक बातें -

बीज की बिजाई करने से पहले बीज जनित व्याधियों से बचाने के लिए बीज का उपचार करना चाहिए। इसके लिए दो ग्राम कैप्टान, भाहरम या बापस्टिन प्रति किलोग्राम बीज में करना चाहिए।

सब्जियों की पौध तैयार करने के लिए तीन गुणा एक मीटर लम्बाई व चौड़ाई की क्यारियां बनानी चाहिए। बीच में एक फुट रास्ता खर पतवार निकालने व निराई-गुड़ाई के लिए छोडऩा चाहिए।

तीन मीटर लम्बी क्यारी के लिए दस किलोग्राम गोबर की सड़ीगली खाद व पौषकतत्व सौ ग्राम यूरिया, 150 ग्राम डीएपी व 120 ग्राम स्यूरेट आफ पोचश प्रति क्यारी की दर से मिलाकर क्यारी तैयार करनी चाहिए।

नर्सरी में पौध को रोगों से बचाने के लिए क्यारियों की मिट्टी का उपचार अवश्य करवा लें। पौध खेत में लगाने के लिए पंद्रह दिन पहले नर्सरी की सिंचाई में कमी कर दें। पौध उखाडऩे के 24 घंटे पहले खेत में खुला पानी लगा दें ताकी पौधों की जड़ों को नुकसान ना पहुंचे। पौध की रोपाई हमेशा शाम के समय करें। पौध लगाने के बाद हल्की सिंचाई करें।

अगर किसान भाई उपरोक्त बातों का ध्यान रखते हैं एक तो पौध सारी की सारी कामयाब होगी, मरने की संभावना इसमें काफी कम रहती है। इसके साथ ही साथ खेत में पौध का जमाव भी अच्छा होगा। इस प्रकार फसल अच्छी होगी और किसान भाई निर्धारित खर्च में अच्छा मुनाफा कमाने में सफल होंगे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तूफान एक्टर फरहान अख्तर बोले- स्पोर्ट्स नीचे गिरकर उठना भी सिखाता है

हमने सोचा नहीं था कि खेल जीवन पर आधारित हमारी फिल्म 'तूफान' को हम उस समय लेकर आए जब टोक्यो में ओलंपिक की शुरुआत होने वाली हो। बात तो कुछ यूं है कि यह पिछले साल ही रिलीज होने वाली थी, लेकिन आप तो जानते हैं उस समय और कोविड के चलते बहुत सारी चीजों में बदलाव लाने पड़े थे। ऐसे में अब यह फिल्म रिलीज होकर लोगों के सामने हैं।

लेकिन फिर भी मुझे ऐसा लगता है कि हमारे फिल्म के जरिए हो सकता है कुछ लोग प्रेरित हो जाए। हो सकता उन्हें खेल भावना समझ में आए तो हमारे लिए यह उपलब्धि होगी। लेकिन इसके साथ ही मैं कहना चाहता हूं कि जो भी लोग हमारे देश की तरफ से टोक्यो में जा रहे हैं, वहां पर परफॉर्म कर रहे हैं उन सभी को मेरा बहुत सारी बधाई हो और बहुत सारी ऑल द बेस्ट है।

यह बिल्कुल मत सोचिए कि आप को मेडल ही जीत कर लाना है। आप नहीं भी लेकर आए तब भी हम आपका खुले दिल से स्वागत करने ही वाले हैं। आप हमारे देश से निकलकर हमारे देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए किसी दूसरे देश में पहुंच गए हैं, हमारे लिए तो आप उसी दिन से विजेता बन गए हैं। अब बिल्कुल अपने ऊपर यह दबाव या तनाव ना ले कि आपको जीत कर ही लौटना है। नहीं, आप नहीं जीते तभी हमारे लिए आप हीरो ही रहने वाले हैं। आप वहां जाइए, बेहतर परफॉर्म कीजिए और हमें आप पर गर्व है।

यह कहना है फरहान अख्तर का, जिनके फिल्म तूफान दर्शकों के सामने आ गई है। बॉक्सिंग पर बनी यह फिल्म एक बार फिर से फरहान अख्तर के जीवन में खेल की भावना को लोगों के सामने लाने का एक मौका है। इस फिल्म में एक बार फिर से फरहान अख्तर राकेश ओमप्रकाश मेहरा के साथ मिलकर स्पोर्ट्स पर बनी एक फिल्म लोगों के सामने लेकर आए हैं। इसके पहले वह भाग मिल्खा भाग में भी एक साथ खेल भावना को प्रदर्शित करने वाली फिल्म लोगों के सामने ला चुके हैं।

वेबदुनिया से बात करते हुए फरहान ने बताया कि स्पोर्ट्स कई तरह के होते हैं एक होते हैं जो आप लोगों के साथ जुड़क खेलते हैं और कुछ एकल स्पोर्ट्स भी होते हैं एक अकेला खिलाड़ी जाकर परफॉर्म करता है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वह आपको खेल भावना नहीं सिखाता है। आप कितने भी बड़े खिलाड़ी हो जाएं, बॉक्सिंग करने अकेले जाकर परफॉर्म करें और बेहतरीन तरीके से आप अपना मेडल भी जीत लिया है।

लेकिन आप फिर भी अकेले नहीं होते। आपके पीछे बहुत बड़ी टीम होती है जो आप को प्रभावित करती है, प्रेरित करती है। आगे बढ़ने के लिए हौसला बढ़ाती है। तो खेल आपके जीवन में आपको बहुत सारी चीजें सिखा सकता है। सबसे पहले आपको सिखाता है कि आप लोगों से जुड़कर चलें।

खेल में एक बात बहुत अच्छी होती है कि यह आपको बहुत कुछ ऐसी चीजों सिखाता है जिसके बारे में आप सोच भी नहीं पाते हैं। आपकी टीम होती जो कई बार आपको बोलती है, आप जाओ और खेलो और अच्छा परफॉर्म करके आओ। तो फिर ये आपको खेल भावना भी सिखाता है। फिर आपको यदि सिखाता है कि आपकी जिंदगी में हर उस शख्स का अपना महत्व है। भले ही वह छोटा से छोटा क्यों न हो लेकिन आप जहां जिस मुकाम पर पहुंचना चाहते हैं या पहुंच गए। उसके पीछे इस छोटे से योगदान का भी उतना ही महत्व होता है। आपको खेल भावना स्पोर्ट्स सिखाता है।

स्पोर्ट्स नीचे गिर कर उठना भी सिखाता है। खेल बताता है कि अगर आप नीचे गिर गए हो और थक गए हो तो कोई बात नहीं थोड़ा सा आराम करो और फिर अपने आप को नए सिरे से तराशना शुरू कर दो। हमारे देश में जहां पर पढ़ाई को बहुत ज्यादा महत्व दिया जाता है जो कि अच्छी बात है, लेकिन मुझे लगता है कि सिर्फ पढ़ाई को महत्व देना कहीं ठीक नहीं है। खेल तो युवाओं के पास बच्चों के पास होना ही चाहिए। अगर कोई बच्चा या बच्ची चाहता है कि वह स्पोर्ट्स में आगे बढ़े तो फिर उसे अपने सपनों से समझौता नहीं करना चाहिए जहां आपको लगे कि किसी की रुचि खेल में ज्यादा है तो आपके दिल से एक आवाज आने की चाहिए कि चलिए मैं मदद करता हूं तुम्हारे सपनों तक पहुंचने में।

जहां तक मेरी रूचि का सवाल है तो हर भारतीय की तरह मुझे भी बचपन में ही क्रिकेट का इंजेक्शन लग गया था। क्रिकेट पसंद करता आया हूं बचपन से। लेकिन उसके बाद मुझे बास्केटबॉल भी पसंद है, फुटबॉल भी पसंद है, स्विमिंग भी और साइकिलिंग भी बहुत पसंद है। और अब बॉक्सिंग कर रहा हूं। दूर से देखकर ऐसा लगता है कि अरे कितना आसान है एक शख्स दूसरे शख्स को या एक खिलाड़ी दूसरे खिलाड़ी को फुटबॉल पास कर रहा है। लेकिन असल में उसके पीछे कितनी मेहनत लगती है, देख कर लगता है, अरे वाह, बुमरा कितने अच्छे से लो कट बॉल डाल लेता है, लेकिन उसकी महीनों और सालों की मेहनत है। जब मैं ऐसी फिल्में करता हूं तो मुझे समझ में आता है कि एक छोटे से क्षण को बताने और जीतने के लिए कितनी सारी और सालों की मेहनत लगती है।

कोरोना वैसीन लगवाने के बाद ऐसा हुआ अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा का हाल

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने हाल ही में लंदन में कोरोना वैक्सीन की डोज लगवाई है। हालांकि वैक्सीन लगवाने के दौरान अभिनेत्री काफी खुश दिखाई दीं लेकिन इसके बाद उनकी हालत काफी खराब हो गई। जिसकी जानकारी उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए दी है। परिणीति चोपड़ा ने हाल ही में एक फोटो शेयर की है। जिसमें उनका वैक्सीन के बाद हाल नजर आ रहा है। आपको बता दें कि परिणीति इन इन दिनों लंदन में हैं। वैक्सीन लगवाने के दौरान उन्होंने कहा कि मैंने अपनी कोरोना वैक्सीन की पहली खुराक लगवा ली है।

फोटोज के जरिए परिणीति ने बताया अपना हाल

परिणीति ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर बताया कि मैंने अपनी कोरोना की वैक्सीन लगवा ली है और कुछ फोटोज भी खिंचवाई हैं। आगे उन्होंने लिखा लेकिन मे काफी दर्द हो रहा है। परिणीति की इन फोटोज उनकी कजिन सिस्टर प्रियंका चोपड़ा ने खींचा है।

पर्दे पर कमबैक करेंगी 'राम तेरी गंगा मैली' की एक्ट्रेस मंदाकिनी

राज कपूर की फिल्म 'राम तेरी गंगा मैली' से बॉलीवुड में डेब्यू रकने वाली मंदाकिनी रातों-रात स्टार बन गई थीं। मंदाकिनी ने फिल्म में ऐसे बोल्ड सीन किए जो किसी भी हिंदी फिल्म की हीरोइन ने आज तक नहीं किए थे। राम तेरी गंगा मैली के बाद मंदाकिनी ने ढेर सारी फिल्में साइन की। मंदाकिनी भले ही अब फिल्मों में नजर ना आती हो लेकिन आज भी उनकी अच्छी खास फैन फॉलोइंग हैं। लंबे समय से फिल्मों से दूर मंदाकिनी अब वापसी करने जा रही हैं। वह इन दिनों स्क्रिप्ट पढ़ रही है और जल्द ही अपने नए प्रोजेक्ट का ऐलान कर सकती हैं।

खबरों के अनुसार एक इंटरव्यू के दौरान मंदाकिनी के मैनेजर बाबूभाई थीबा ने कहा, मंदाकिनी जरूर कमबैक करेंगी। वो फिलहाल स्क्रिप्ट पढ़ रही हैं। वो किसी फिल्म या वेब शो में नजर आ सकती हैं लेकिन वो एक सेंट्रल रोल करना चाहती हैं। जिस बारे में वो मीडिया से भी बातें करेंगी लेकिन पहले चीजें फाइनल हो जाए।

मंदाकिनी को फिल्मों में कमबैक करने के लिए उनके भाई भानु ने जोर दिया। दोनों दुर्गा पूजा के लिए कोलकाता के एक पंडाल में पहुंचे थे। जहां मंदाकिनी की जबरदस्त फैन फॉलोइंग देखकर भानु ने मंदाकिनी को दोबारा वापसी की सलाह दी।

बताया जा रहा है कि मंदाकिनी को टीवी सीरियल 'छोटी सरदारनी' के लिए अप्रोच किया गया था लेकिन उन्होंने मना कर दिया और अनीता राज का नाम आगे कर दिया था। मंदाकिनी आखिरी बार साल 2002 में रिलीज हुई बंगाली फिल्म 'से अमर प्रेम' में नजर आई थीं। उन्होंने अपने करियर में अब तक 48 फिल्मों में काम किया है। मंदाकिनी ने तेलुगु फिल्मों में भी काम किया।

सात जन्मों के बंधन में बंधे राहुल वैद्य और दिशा परमार, अग्नि को साक्षी मान कर लिए सात फेरे

सिंगर राहुल वैद्य और दिशा परमार आज (16 जुलाई) को मुंबई में शादी के बंधन में बंध गए। इस जोड़ी ने पारंपरिक हिंदू समारोह में परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में शादी की। सोशल मीडिया उनके विवाह समारोह की तस्वीरों और वीडियो काफी ज्यादा वायरल हो रही हैं। दिशा लाल दुल्हन की लिबास में खूबसूरत लग रही थीं, जबकि राहुल क्रीम शेरवानी में बेहद स्मार्ट लग रहे है।

सिंगर राहुल वैद्य और एक्ट्रेस दिशा परमार ने कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर अपनी शादी की तारीख का ऐलान किया था। हाल ही में उन्होंने प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन शुरू किया है। आज, 16 जुलाई, को दोनों शादी के बंधन में बंध गये हैं। मेंहदी से लेकर हल्दी और संगीत की प्रोग्राम की तस्वीरें भी दोनों सितारों ने अपने सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। शादी की वायरल हो रही तस्वीरों में आप दोनों को अपनी शादी को एंजोय करते देख सकते हैंष दोनों की केमिस्ट्री काफी अच्छी लग रही हैं। सबसे प्यारा वो मूवमेंट हैं जब दोनों एक दूसरे को वरमाला पहनाने के बाद एक दूसरे को गले लगा रहे हैं। राहुल और दिशा ने माला और अंगूठियों का आदान-प्रदान किया। दिशा की उंगली पर अंगूठी डालने के लिए राहुल घुटनों के बल नीचे बैठते भी दिखाई दिए हैं।

बिग बॉस 14 के सेकेंड रनर-अप राहुल वैद्य ने टीवी रियलिटी शो में अपने खेल के दौरान दिशा परमार को नेशनल टीवी पर प्रपोज किया। उससे पहले वे दोस्त थे। उन्हें आखिरी बार संगीत वीडियो माधन्या में एक साथ देखा गया था जहाँ उन्होंने एक विवाहित जोड़े की भूमिका निभाई थी।

अपने निर्देशन में बनी दूसरी फिल्म 'हैप्पी बर्थडे मम्मी जी' को लेकर उत्साहित हैं शेफाली शाह

बॉलीवुड एक्ट्रेस शेफाली शाह अपनी दूसरी निर्देशित फिल्म 'हैप्पी बर्थडे मम्मी जी' के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। यह शॉर्ट फिल्म शेफाली द्वारा लिखी गई है और सनशाइन पिक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित है और रॉयल स्टैग बैरल सेलेक्ट लार्ज शॉर्ट फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत है। शेफाली 'हैप्पी बर्थडे मम्मी जी' के साथ अपनी गतिशील प्रतिभा दिखाने के लिए पूरी तरह तैयार है, एक ऐसी कहानी जिसमें समान परिस्थितियों से गुजर रही हज़ारों महिलाओं की कहानी शामिल हैं। शेफाली द्वारा निर्देशित फिल्म की शूटिंग मुंबई में की गई है। 'समडे' के बाद यह शेफाली की दूसरी निर्देशित फिल्म है। दशकों से एक स्थापित अभिनेत्री, शेफाली ने फिर से अपनी नवीनतम फिल्म जैसे अजीब दास्तानां में अपना अभिनय कौशल दिखाया है। वह जल्द ही आलिया भट्ट और विजय वर्मा के साथ डार्लिंग्स में नजर आएंगी। शॉर्ट फिल्म के बारे में बात करते हुए शेफाली ने कहा, यह हम में से हर किसी की कहानी है, जो अपने रिश्तों, परिवार, घर से पहचाने जाते हैं, एक विकल्प जिसे हम खुशी से चुनते हैं। लेकिन कभी न कभी, हम सभी ने महसूस किया है कि सभी जिम्मेदारियों को छोड़ देने की सख्त जरूरत है। कोविड के कारण हुए लॉकडाउन ने हमारे चेहरों पर अलग-थलग पड़ने की प्रबल भावना पैदा कर दी, लेकिन क्या होता अगर इस पर एक अलग विचारधारा होती तो।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में एक बदमाश ने परिवार को जान से मारने की धमकी देकर रात में बच्ची का अपहरण कर लिया. सुबह मिली बच्ची को अस्पताल में शिफ्ट किया गया

क्रांति समय दैनिक

पांडेसरा वडोदगाम एसएमसी आवास में पैसे लेने के आरोप में जेल से छूटे यूपी निवासी युवक ने चाकू हाथ में लेकर मजदूर के घर में तोड़फोड़ की. परिवार में हड़कंप मच गया जब एक जिद्दी युवक ने मजदूर वर्ग के परिवार के एक बेटे पर हमला कर उसे मारने की कोशिश की, जिससे पूरे परिवार की मौत हो गई. डर के मारे इमारत के नीचे भागी 7 साल की बच्ची को चिलचिलाती धूप ने अगवा कर लिया और गुरुवार की आधी रात को हुई इस घटना में मदद के लिए आए दो पुलिस कर्मियों द्वारा सामान्य

जांच किए जाने के बाद भाग गई. हालांकि, पुलिस ने सुबह तड़के मासूम बच्ची को इमारत के नीचे पाया और उसे मेडिकल जांच के लिए भेज दिया.

पुलिस ने शिकायत दर्ज करने के बाद जांच पड़ताल की और आगे बताया कि सूरज के हमले की घटना देख रही 7 वर्षीय बहन नीचे की ओर भागी. सूरज ने दोस्तों की मदद से इसे उठाया। काफी खोजबीन के बाद सुबह करीब 4-5 बजे बहन को इमारत के नीचे पाया और हम थाने गए। जहां हमारी शिकायत दर्ज बहन को मेडिकल जांच के लिए सिविल भेजा गया है.

कांग्रेस के दिग्गज पाटीदार नेता धीरूगजेरा भाजपा में वापस लौटेंगे

क्रांति समय दैनिक

सूरत, कांग्रेस के दिग्गज नेता धीरू गजेरा का पार्टी से मोहभंग हो गया है और वह जल्द ही भाजपा में शामिल हो सकते हैं। धीरू गजेरा के भाजपा में शामिल होने से गुजरात कांग्रेस को बड़ा झटका लग सकता है। धीरू गजेरा पाटीदार समाज से आते हैं और अपने समाज पर उनकी मजबूत पकड़ है। भाजपा को अपना पुराना घर बताते हुए गजेरा का कहना है कि भाजपा में दो गुट बनने के बाद मैं अपने कई साथियों के साथ पार्टी से अलग होकर कांग्रेस में शामिल हुआ था। लेकिन कांग्रेस में मुझे सफलता नहीं मिली और चार चुनाव हार चुका हूं। बकौल धीरू गजेरा मेरे समर्थक काफी समय से मुझे भाजपा जॉइन करने को कह रहे थे। लेकिन तब मैंने अपने साथियों की बातों को अनसुना कर दिया। अब साथियों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए मैंने भाजपा में शामिल होने का फैसला किया है। गजेरा ने कहा कि मेरे साथ मेरे समर्थक भी कांग्रेस के लिए काफी मेहनत करते थे, लेकिन लगातार हार से वह भी हताश हो गए थे। अब अपने सभी समर्थकों के साथ भाजपा जॉइन करूंगा। कुछ दिन पहले आम आदमी पार्टी (आप) में शामिल हुए सूरत के उद्योगपति महेश सवाणी के खिलाफ चुनाव लड़ने को लेकर गजेरा ने कहा कि यह भाजपा तय करेगी वह किसका मुकाबला करें। यदि महेश सवाणी के खिलाफ भाजपा मुझे टिकट देती है तो मैं उनके खिलाफ चुनाव लड़ने को तैयार हूं। गजेरा ने कहा कि मैं केवल पाटीदार ही नहीं बल्कि सभी समाज को साथ लेकर चलूंगा, क्योंकि कभी भी एक जाति से राजनीति नहीं चलती। सूरत नगर निगम में कांग्रेस का सूपड़ा साफ होने और आप की सफलता को लेकर धीरू गजेरा ने कहा कि आप के 27 नगर पार्षद कैसे बने यह हम अच्छी तरह जानते हैं। इसका यह मतलब नहीं है कि जनता भाजपा के खिलाफ है। गुजरात ने भाजपा को अपनाया है। गौरतलब है कि धीरू गजेरा कभी भाजपा के सदस्य थे और बाद में कांग्रेस में शामिल हुए थे। वर्ष 1995 से 2007 तक भाजपा के साथ रहे और विधायक भी बने। पाटीदार नेता धीरूगजेरा के भाजपा में शामिल होने से कांग्रेस को बड़ा झटका लग सकता है। साथ ही पाटीदारों की नाराजगी खत्म करने में धीरू गजेरा भाजपा के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं।

केन्द्रीय रेल मंत्री ने लोकार्पण से पहले गांधीनगर केपिटल रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया

क्रांति समय दैनिक

गांधीनगर,केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुजरात की राजधानी में पुनर्निर्मित गांधीनगर केपिटल रेलवे स्टेशन के लोकार्पण से पहले आज निरीक्षण किया। इस मौके पर रेल राज्यमंत्री दर्शना जरदोश भी मौजूद रहीं। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार की शाम 4 बजे नई दिल्ली से गांधीनगर केपिटल रेलवे स्टेशन समेत 7 परियोजनाओं को वर्च्युअल लोकार्पण करने वाले हैं। उससे पहले केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव शुक्रवार को गांधीनगर पहुंचे। अश्विनी वैष्णव

गांधीनगर में लोकार्पण समारोह में शामिल होंगे।

रेल मंत्री बनने के बाद अश्विनी वैष्णव का यह पहला गुजरात दौरा है। वैष्णव ने गांधीनगर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करने के बाद स्टेशन पर वरिष्ठ अधिकारियों को उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक भी की। बैठक के बाद रेलमंत्री ने कहा कि गांधीनगर केपिटल रेलवे स्टेशन की तर्ज पर देशभर के रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपनों की भांति देश के अन्य स्टेशनों को भी गांधीनगर की तरह डेवलप करने पर विचार किया जाएगा।

सार-समाचार

सूरत में एक कपड़ा व्यापारी को आधा नग्न किया गया और उसमें 'चोर' शब्द वाला एक बोर्ड सौंप दिया गया।

मंदिर में हाथ जोड़कर भगवान की प्रार्थना कर रहे बिल्डर को भगवान का बुलावा आ गया

वडोदरा,वडोदरा स्थित स्वामीनारायण मंदिर से एक स्तब्ध करने वाली घटना सामने आई है। वलसाड के एक विख्यात बिल्डर मंदिर में हाथ जोड़कर भगवान की प्रार्थना कर रहे थे, उस वक्तदिल का दौरा पड़ने से उनकी वहीं मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक दक्षिण गुजरात के वलसाड निवासी जयंतिभाई खालप एक बिल्डर एक सप्ताह पहले किसी कार्यवश वडोदरा आए थे। भगवान स्वामीनारायण के प्रति अटूट श्रद्धावान जयंति खालप वडोदरा स्थित स्वामीनारायण मंदिर में दर्शन करने गए थे। जयंति खालप मंदिर में हाथ जोड़कर भगवान की प्रार्थना कर रहे थे,उस वक्त अचानक उन्हें दिल का दौरा पड़ा और वहीं गिर गए। जयंति खालप को गिरता देख वहां दर्शन कर रही एक महिला समेत अन्य लोग उनकी ओर दौड़ पड़े। जयंति खालप को अन्य श्रद्धालुओं ने उन्हें उठाकर अस्पताल ले जाने का प्रयास किया। लेकिन जयंति खालप निष्प्राण हो चुके थे। वलसाड के विख्यात बिल्डर जयंति खालप की मौत की घटना मंदिर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सोशल मीडिया पर वायरल इस वीडियो को देख लोग भी स्तब्ध हैं।

केवल कंक्रीट की संरचना नहीं, एक निश्चित उद्देश्य के साथ अवसंरचना निर्माण हमारा लक्ष्य है: पीएम मोदी

- गांधीनगर केपिटल रेलवे स्टेशन समेत पीएम मोदी ने 1100 करोड़ प्रकल्पों की गुजरात को दी भेंट

अहमदाबाद,प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से गुजरात में रेलवे की कई प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन किया.

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना देश में:39071 नए मरीज मिले, 39827 ठीक हुए और 544 की मौत; एक दिन में जान गंवाने वालों का आंकड़ा 101 दिन में सबसे कम

नई दिल्ली। देश में कोरोना के नए केस और ठीक होने वाले मरीजों की संख्या में अंतर लगभग स्थिर है। यानी जितने केस आ रहे हैं उससे कुछ कम या कुछ ज्यादा मरीज ठीक हो रहे हैं। बीते 24 घंटे में 39,071 नए मरीज मिले, 39,827 ठीक हुए और 544 ने जान गंवाई। गुरुवार को मौत का आंकड़ा बीते 101 दिन में सबसे कम रहा। इससे पहले इसी साल 5 अप्रैल को 446 संक्रमितों की मौत हुई थी।

एक्टिव केस में भी एक दिन की बढ़त के बाद उछाल आया है। बुधवार को इसमें 1,874 की बढ़ोतरी हुई थी तो वहीं, गुरुवार को इसमें 1,316 की कमी आई। अब देश में 4.24 लाख मरीजों का इलाज चल रहा है।

देश में कोरोना महामारी आंकड़ों में

बीते 24 घंटे में कुल नए केस आए: 39,071
बीते 24 घंटे में कुल ठीक हुए: 39,827
बीते 24 घंटे में कुल मौतः 544
अब तक कुल संक्रमित हो चुकेः 3.10 करोड़
अब तक ठीक हुएः 3.01 करोड़
अब तक कुल मौतेंः 4.12 लाख
अभी इलाज करा रहे मरीजों की कुल संख्याः 4.24 लाख

8 राज्यों में लॉकडाउन जैसी पाबंदियां

देश के 8 राज्यों में पूर्ण लॉकडाउन जैसी पाबंदियां हैं। इनमें पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, तमिलनाडु, मिजोरम, गोवा और पुडुचेरी शामिल हैं। यहां पिछले लॉकडाउन जैसे ही कड़े प्रतिबंध लगाए गए हैं।

23 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में आंशिक लॉकडाउन

देश के 23 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आंशिक लॉकडाउन है। यहां पाबंदियों के साथ छूट भी है। इनमें छत्तीसगढ़, कर्नाटक, केरल, बिहार, दिल्ली, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, हरियाणा, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, मेघालय, नगालैंड, असम, मणिपुर, त्रिपुरा, आंध्र प्रदेश और गुजरात शामिल हैं।

दिल्ली सरकार के मंत्री इमरान हुसैन से मिला व्यापारियों का प्रतिनिधिमंडल, की ये दो प्रमुख मांग

नई दिल्ली। नई सड़क की समस्या को लेकर व्यापारियों का प्रतिनिधिमंडल दिल्ली सरकार में मंत्री इमरान हुसैन से मिला। उन्होंने मंत्री से हस्तक्षेप की मांग की। व्यापारियों की मुख्य मांग नई सड़क पर चावड़ी बाजार की ओर से वाहनों का प्रवेश रोकने तथा चांदनी चौक की ओर से रिक्शों के प्रवेश के लिए रास्ता देने की थी। चांदनी चौक का मुख्य मार्ग वाहन मुक्त है। इसलिए नई सड़क की ओर से आते यातायात को रोकने के लिए टाउन हाल के सामने इस मार्ग पर सीमेंट के स्लैब रखे गए हैं, जिसके कारण रास्ता पूरी तरह से बंद हो गया है।

बस, पैदल आने जाने की जगह छोड़ी गई है।वहीं, चावड़ी बाजार की ओर से वाहनों का प्रवेश खुला है। इसके चलते इस मार्ग पर भयंकर जाम की समस्या पैदा हो गई है। यहां तक कि चांदनी चौक आने वाले लोग अपना दोपहिया वाहन इसी मार्ग पर खड़ी कर दे रहे हैं तो लोडिंग-अनलोडिंग भी होने लग गई है। इससे इस सड़क पर स्थित बाजारों का कारोबार पूरी तरह से ठप हो गया है। इस संबंध में प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले चांदनी चौक व्यापार परिषद के अध्यक्ष सुरेश बिंदल ने कहा कि नई सड़क के साथ ही जोगीवाड़ा व मालीवाड़ा समेत अन्य बाजारों का कारोबार पूरी तरह से पटरी से उतर गया है। हालत यह है कि चांदनी चौक की ओर से भी खरीदार भी इस सड़क पर नहीं आ पा रहे हैं। बता दें कि चांदनी चौक और चावड़ी बाजार को नई सड़क जोड़ता है। बिंदल ने मंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि इस मार्ग पर कम से कम रिक्शा के प्रवेश के लिए रास्ता देना चाहिए, अन्यथा 10 हजार से अधिक कारोबारियों को अपना कारोबार बंद करना पड़ जाएगा।
प्रतिनिधिमंडल में नई सड़क व्यापार परिषद के अध्यक्ष बबला भाई, दिल्ली साड़ी मर्केंटाइल एसोसिएशन के महामंत्रीरमेश गर्ग व केमिकल मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता शामिल रहे। बल्लीमारान के विधायक व मंत्री इमरान हुसैन ने व्यापारियों की कठिनाइयों को व्यावहारिक बताते हुए कहा कि इसका हल निकालने के लिए जल्द ही अधिकारियों के साथ बैठक कर व्यावहारिक रास्ता तलाशेंगे। वह इसे लेकर सोमवार चांदनी चौक का स्थलीय निरीक्षण भी करेंगे।

दिल्ली पुलिस के सहयोग से चल रहे इन स्कूलों में किताबी ज्ञान के साथ स्टूडेंट्स को सिखाया जा रहा सामाजिक सरोकार

नई दिल्ली। दिल्ली के लोगों को बेहतर कानून व्यवस्था देने के साथ ही दिल्ली पुलिस बच्चों को बेहतर शिक्षा मुहैया कराने पर भी जोर दे रही है। पुलिस फाउंडेशन फार एजुकेशन दिल्ली (पीएफइडी) और दिल्ली पुलिस की ओर से राजधानी के अलग-अलग क्षेत्रों में तीन स्कूल संचालित किए जा रहे हैं। ये स्कूल अन्य स्कूलों से इसलिए अलग हैं क्योंकि इनमें छात्रों को किताबी ज्ञान के साथ ही उन्हें सामाजिक सरोकार से जुड़ा ज्ञान व पुलिस अधिकारियों का समय-समय पर मार्गदर्शन मिलता रहता है। अत्याधुनिक कक्षाएं व प्रयोग शालाओं के जरिये छात्रों को विशेष प्रकार का प्रशिक्षण दिया जाता है। खेलकूद में रुचि रखने वाले छात्रों को विशेष रूप से सुविधाएं मुहैया कराई जाती हैं।

खास बात यह है कि इन स्कूलों में पुलिस कर्मियों के बच्चों के साथ ही सामान्य वर्ग के बच्चों को पढ़ाया जाता है। वहीं जो पुलिसकर्मी सेवा के दौरान वीरगति को प्राप्त हो जाते हैं उनके बच्चों को पूरी तरह से मुफ्त शिक्षा दी जाती है। इन स्कूलों की तरह अब अन्य राज्यों की पुलिस भी इसी तरह के स्कूल खोलने का मन बना रही है। अभी उत्तर प्रदेश पुलिस ने इस पर काम करना शुरू किया है। इसके लिए यूपी पुलिस पीएफइडी से जरूरी सलाह ले रही है।

क्या है पीएफइडी

पुलिस फाउंडेशन फार एजुकेशन दिल्ली (पीएफइडी) की स्थापना वर्ष 1986 में एक गैर लाभकारी संगठन के रूप में की गई है। पीएफइडी को सामाजिक कार्यकर्ताओं व दिल्ली पुलिस द्वारा संचालित किया जा रहा है। मुख्य रूप से इसका उद्देश्य यह है कि पुलिस कर्मियों के बच्चों को सस्ती और गुणात्मक शिक्षा प्रदान किया जा सके।

कोरोना की तीसरी लहर की आशंका के मद्देनजर वायु प्रदूषण और भी चिंता की वजह, समय रहते उठाने होंगे कदम

नई दिल्ली। दिल्ली में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए पराली के प्रबंधन को लेकर वायु गुणवत्ता आयोग का अभी से सक्रिय होना सर्वथा उचित है। आयोग ने 31 जुलाई तक दिल्ली के साथ ही हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश व राजस्थान की सरकारों से पराली के प्रबंधन संबंधी एक्शन प्लान मांगा है। आयोग ने इन राज्य सरकारों को पराली के प्रबंधन को लेकर चार विकल्प भी सुझाए हैं और कहा है कि राज्य यह तय कर बताएं कि इनमें से किस विकल्प पर काम करेंगे।

पराली जलाने पर इन राज्यों में अभी तक रोक नहीं

पंजाब, हरियाणा व उत्तर प्रदेश के पश्चिमी इलाकों में पराली जलाए जाने पर रोक लगाना कई साल की कोशिशों के बावजूद अब तक संभव नहीं हो सका है। यह निराशाजनक है कि इन राज्यों में सख्त नियमों और किसानों को प्रोत्साहन देने के बावजूद पराली जलाने पर रोक नहीं लग सकी है। इन राज्यों में पराली जलाने से पैदा होने वाला धुआं दिल्ली और आसपास के इलाकों तक पहुंचकर सर्दी के दिनों में यहां के लोगों का दम घोंटता है।

कोरोना के मद्देनजर वायु प्रदूषण और भी चिंता की वजह

कोरोना की तीसरी लहर की आशंका के मद्देनजर वायु प्रदूषण और भी चिंता की वजह बन गया है। पिछले साल भी सर्दी के दिनों में वायु प्रदूषण के कारण दिल्ली को कोरोना संक्रमण का गंभीर दौर झेलना पड़ा था।

कोरोना संक्रमित व्यक्ति को जब आक्सीजन की आवश्यकता होती है, तब उसके लिए वायु प्रदूषण किसी जहर से कम नहीं है। ऐसे में वायु गुणवत्ता आयोग के साथ ही केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) और दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश व राजस्थान की सरकारों को भी सर्दी के दिनों में वायु प्रदूषण गहराने से रोकने के हरसंभव उपाय करने चाहिए। इसके लिए अभी से सभी को जुट जाना चाहिए, ताकि इस बार सर्दी में दिल्ली को गैस चैंबर बनने से रोका जा सके और वायु प्रदूषण का दुष्प्रभाव कोरोना मरीजों के लिए जानलेवा साबित न होने पाए।

गाजियाबाद: भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में जीडीए बोर्ड सदस्य और पूर्व एमएलसी भिड़े

पवन गोयल घायल, अस्पताल में भर्ती

गाजियाबाद। गाजियाबाद में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में शुक्रवार को जीडीए बोर्ड सदस्य पवन गोयल और पूर्व एमएलसी प्रशांत चौधरी भिड़ गए। मारपीट के बीच पवन गोयल को चोटें आईं जिसके बाद उन्हें पटेल नगर के गायत्री अस्पताल में भर्ती कराया गया। पवन गोयल का आरोप है कि मेरे साथ प्रशांत चौधरी ने मारपीट की है। इस मामले में प्रशांत चौधरी का कहना है कि पवन गोयल का आरोप निराधार है। किसी भी तरह की मारपीट नहीं हुई है बल्कि बैठक के दौरान पवन गोयल ने ही कहा कि तुम

क्या थे तुम लोगों के पैर छुआ करते थे। इसी बहस के बीच दोनों लोग पार्टी कार्यालय से बाहर निकल कर आए। जहां पवन गोयल ने पहले मेरा गिरेबान पकड़ लिया, उसके बाद मैंने भी उसका गिरेबान पकड़ा। इस दौरान पवन गोयल का कुर्ता फट गया जिसे अब वह मारपीट बता रहा है। गिरेबान पकड़ने के अलावा कुछ नहीं हुआ।

पवन गोयल के भाई संदीप कुमार गोयल ने प्रशांत चौधरी और 4-5 अज्ञात लोगों के खिलाफ सिहानी गेट थाने में तहरीर दी है और जानलेवा हमले का आरोप लगाया है। पवन गोयल के मुताबिक प्रशांत चौधरी ने पहले भी हत्या की धमकी दी थी। पवन गोयल की पिटाई के विरोध में अस्पताल में वैश्य समाज के कुछ लोग धरने पर बैठ गए हैं।

झमाझम बारिश से ढहा कुतुबमीनार परिसर की चहारदीवारी का कुछ हिस्सा

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में झमाझम बारिश से कुतुबमीनार परिसर की चारदीवारी का कुछ हिस्सा ढह गया। मिली जानकारी के अनुसार 30 मीटर लंबी दीवार बरसात के पानी की वजह से ढह गई। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के एक अधिकारी ने भी इसकी पुष्टि की है। जिस जगह दीवार गिरी है उसके बगल में से नाला होकर गुजरता है। नाले का पानी दीवार से रिसकर अंदर परिसर में आ गया। इससे दीवार गिर गई। इस दौरान किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। इस दीवार का निर्माण परिसर की सुरक्षा के लिए काफी समय पहले कराया गया था।

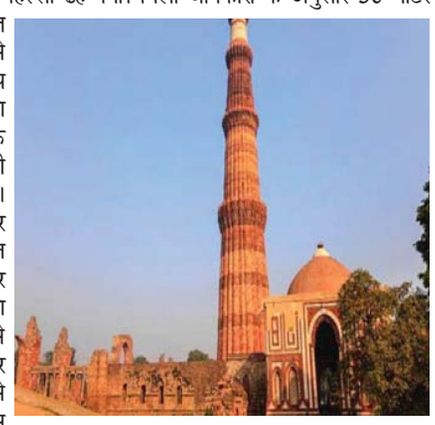

एलजी बनाम केजरीवाल: दिल्ली सरकार के वकील ही लड़ेंगे किसान आंदोलन का केस

एलजी के पैनल को किया खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली में एक बार फिर से उपराज्यपाल व चुनी सरकार आमने-सामने हैं। मसला किसानों आंदोलन से जुड़े केस की सुनवाई के लिए वकीलों के पैनल के गठन करने की है। उपराज्यपाल के इनकार के बाद शुक्रवार को दिल्ली सरकार ने कैबिनेट बैठक बुलाई जिसमें उपराज्यपाल के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया गया है। सीएम केजरीवाल का कहना है कि अब किसान आंदोलन का केस दिल्ली सराकार के वकील ही लड़ेंगे।

दरअसल गुरुवार को उपराज्यपाल अनिल बैजल ने दिल्ली सरकार की तरफ से गठित पैनल को खारिज कर दिया था। इसकी जगह दिल्ली पुलिस की ओर से सुझाए गए वकीलों के पैनल पर कैबिनेट की मुहर लगाने पर फैसला लेने को कहा है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस बारे में शुक्रवार को कैबिनेट की बैठक बुलाई थी जिसमें उपराज्यपाल के प्रस्ताव को खारिज कर दिया गया।

इससे पहले तीनों कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन कर रहे किसानों पर दर्ज केस की सुनवाई के लिए केजरीवाल सरकार ने वकीलों

का पैनल बनाया था। वहीं, दर्ज मामलों की जांच कर रही दिल्ली पुलिस अपने वकीलों के पैनल की नियुक्त की।

लेकिन दिल्ली के गृहमंत्री सत्येंद्र जैन ने दिल्ली पुलिस के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। इसके बाद सरकारी वकीलों का पैनल बनाकर दिल्ली के गृह मंत्री ने प्रस्ताव उप राज्यपाल के पास भेजा था। आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि उपराज्यपाल ने दिल्ली सरकार के पैनल को मंजूरी नहीं दी है। इसकी जगह उपराज्यपाल ने दिल्ली सरकार को कहा है कि दिल्ली पुलिस के वकीलों के पैनल को कैबिनेट मंजूरी दे।

दिल्ली सरकार के वकीलों की हो चुकी तारीफ

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दिल्ली के उपराज्यपाल और दिल्ली के गृहमंत्री के बीच बीते दिनों एक वर्चुअल बैठक हुई थी। इसमें उपराज्यपाल यह स्वीकारा था कि दिल्ली सरकार द्वारा नियुक्त किए गए पब्लिक प्रॉसिक्यूटर बहुत अच्छा काम कर रहे हैं और बहुत काबिल हैं। दिल्ली सरकार के वकील अच्छे से केस लड़ रहे हैं। दिल्ली सरकार के वकीलों के खिलाफ कोई शिकायत नहीं है।

12-18 साल के बच्चों पर कोवैक्सीन का ट्रायल पूरा होने के करीब

केंद्र ने हाईकोर्ट में दिए हलफनामे में दी जानकारी

नई दिल्ली। जायडस कैडिला की वैक्सीन को लेकर केंद्र सरकार की ओर से दिल्ली हाई कोर्ट में अहम जानकारी दी गई है। शुक्रवार को केंद्र सरकार ने दिल्ली हाई कोर्ट में दायर अपने हलफनामे में कहा है कि 12 से 18 आयु वर्ग के लिए परीक्षण पूरा होने के करीब है। वहीं, दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि कोवैक्सीन के परीक्षणों को पूरा होने दें, यदि संपूर्ण परीक्षणों के बिना बच्चों को टीके लगाए जाते हैं तो यह खतरनाक होगा। बता दें कि यह वैक्सीन 12-18 साल की आयुवर्ग को लगनी है।

कोविड वर्किंग ग्रुप के चेयरमैन डॉ. एनके अरोड़ा ने पिछले दिनों कहा था कि जायडस कैडिला की वैक्सीन का ट्रायल करीब-करीब पूरा हो चुका है। जुलाई के अंत तक या अगस्त में 12 से 18 साल के बच्चों को इसे लगाए जाने की शुरुआत हो सकती है। उन्होंने यह भी कहा था कि आने वाले समय में हमारा लक्ष्य रोजाना एक करोड़ वैक्सीन डोज लगाने का है।

डॉ एनके अरोड़ा ने यह भी कहा था कि आइसीएमआर के एक अध्ययन के मुताबिक, तीसरी लहर देर से आने की संभावना है। ऐसे में

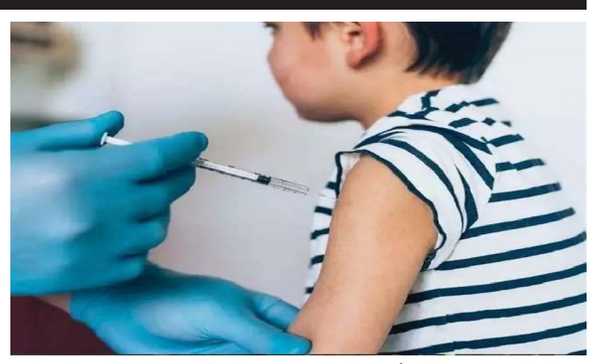

हमारे पास देश में हर किसी का टीकाकरण करने के लिए अभी समय है। ऐसे में आने वाले दिनों में हमारा लक्ष्य हर दिन 1 करोड़ खुराक देने का है। इससे पहले केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में टीका उपलब्ध कराने की स्थिति को लेकर एक हलफनामे में कहा था कि डीएनए टीका विकसित कर रहे जायडस कैडिला ने 12 से 18 साल के आयुसमूह पर क्लीनिकल ट्रायल पूरा कर लिया है और इसे वैधानिक मंजूरी मिलने के बाद यह टीका निकट भविष्य में 12 से 18 साल के बच्चों के लिए उपलब्ध हो सकता है। गौरतलब है कि 12 से 18 साल के बच्चों पर वैक्सीन ट्रायल को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट में एक याचिका लगाई गई है। इसमें कहा गया है कि कोविड वैक्सीन का इस आयुवर्ग पर ट्रायल नरसंहार के जैसा है और इसे तुरंत रोकना चाहिए।

ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने भारत बायोटेक को कोवैक्सिन के बच्चों पर ट्रायल की मंजूरी दी है। याचिकाकर्ता संजीव कुमार ने कहा कि यह एप्लीकेशन हाईकोर्ट के सामने है। इसमें केंद्र और भारत बायोटेक को नोटिस भी भेजा जा चुका है। इसके बावजूद जून से ही बच्चों पर वैक्सीन के ट्रायल शुरू किए जा चुके हैं।

स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर दिल्ली में ड्रोन उड़ाने पर लगी पाबंदी

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस के नजदीक आने और राजधानी दिल्ली में आतंकी खतरे को देखते दिल्ली पुलिस आयुक्त बालाजी श्रीवास्तव ने बृहस्पतिवार को आदेश जारी कर 16 जुलाई से 16 अगस्त तक दिल्ली में ड्रोन उड़ाने पर पाबंदी लगा दी है। इसके अलावा किसी भी तरह का हवा में उड़ने वाले गुब्बारा, छोटे व रिमोट से उड़ने वाले प्लेन को भी नहीं उड़ाया जा सकेगा। यदि कोई भी नियमों का उल्लंघन करता है तो उसके खिलाफ दिल्ली पुलिस धारा 188 के तहत कार्रवाई करेगी। पुलिस आयुक्त ने सभी 15 जिलों के डीसीपी से कहा है कि सुरक्षा को देखते हुए सतर्क रहे और नियमों का पालन कराएं।

उधर, केंद्रीय कृषि सुधार कानूनों का विरोध करने वाले प्रदर्शनकारियों ने 26 जनवरी को ट्रैक्टर रैली के नाम पर लाल किले सहित कई जगहों पर हिंसा व तोड़फोड़ की थी। इस दौरान जिन प्रदर्शनकारियों ने आपराधिक कृत्यों

को अंजाम दिया उनके खिलाफ चल रहे मुकदमों में पुलिस व राज्य का पक्ष रखने के लिए दिल्ली सरकार की ओर से गठित वकीलों के पैनल को उपराज्यपाल ने खारिज कर दिया है।

एलजी ने दिल्ली पुलिस की ओर से सुझाए गए वकीलों के पैनल पर कैबिनेट की मुहर लगाने पर फैसला लेने को कहा है। इसके बाद दिल्ली सरकार ने शुक्रवार को कैबिनेट की बैठक बुलाई है। किसानों के खिलाफ दर्ज मामलों की जांच कर रही दिल्ली पुलिस अपने वकीलों का पैनल नियुक्त कराना चाहती है। दिल्ली पुलिस ने वकीलों का एक पैनल बनाकर अनुमोदन के लिए दिल्ली के गृह मंत्री सत्येंद्र जैन को भेजा। दिल्ली पुलिस की ओर से भेजी गई वकीलों की सूची को जांचने के बाद सत्येंद्र जैन ने उसे खारिज कर दिया था। इसके बाद सरकारी वकीलों का पैनल बनाकर गृह मंत्री ने प्रस्ताव उपराज्यपाल के पास भेजा था, जिसे उपराज्यपाल ने खारिज कर दिया था। अब उपराज्यपाल ने दिल्ली सरकार को कैबिनेट की बैठक बुलाकर दिल्ली पुलिस के वकीलों पर फैसला लेने का निर्देश दिया है।

एलजीउपराज्यपाल ने दिल्ली सरकार को कहा है कि दिल्ली पुलिस के वकीलों के पैनल को कैबिनेट मंजूरी दे। इसके बाद दिल्ली सरकार ने शुक्रवार को कैबिनेट की बैठक बुलाई है। दिल्ली के उपराज्यपाल और दिल्ली के गृहमंत्री के बीच एक वर्चुअल बैठक हुई थी, जिसमें उपराज्यपाल ने स्पष्ट किया कि उन्हें दिल्ली सरकार के वकीलों से कोई शिकायत नहीं है, लेकिन मामले को ठीक तरह से पेश करने के लिए पुलिस की तरफ से सुझाए गए वकीलों के पैनल को मंजूरी दी जानी चाहिए।

कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन पर पानी भरने का वीडियो वायरल, तस्वीरें भी आईं सामने

नई दिल्ली। बारिश होने पर दिल्ली की सड़कों पर जलभराव आम बात हो गई है। कुछ देर की बारिश में भी सड़कों पर पानी भर जाता है। अब कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन के अंदर भी जल भराव होने की बात सामने आई है। यह घटना बुधवार की है। इसका वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियों में स्टेशन के टोकन एरिया से लेकर सीढ़ियों तक पानी भरा दिख रहा है। इस वजह से स्टेशन से यात्रियों का आवगमन भी बंद हो गया। यात्री सीढ़ियों पर खड़े नजर आ रहे हैं।

यहां पर बता दें कि दिल्ली मेट्रो रेल निगम के ट्विटर हैंडल पर एक यात्री द्वारा शिकायत किए जाने पर दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने घटना पर अफसोस जाहिर किया और कहा कि समस्या दूर कर ली गई है। इस बीच यहां पर पानी भरने की तस्वीरें भी इंटरनेट मीडिया पर वायरल हैं और लोग

इन्हें विभिन्न इंटरनेट मीडिया पर जमकर शेयर कर रहे हैं।

इससे पहले मंगलवार और बुधवार को राजधानी दिल्ली की सुबह राहत देने वाली फुहारों के साथ हुई। पर्दों का पहरा नहीं था और बहुत दिनों बाद ठंडी हवाओं से खिड़कियों की मुलाकात हुई। सुबह से लोग छतों पर मानसून के

स्वागत के लिए पहुंच गए थे। गीली मिट्टी की खुशबू में आज कुछ सूखे पौधे भी महक गए थे। आखिर मानसून की पहली बारिश जो थी, हर दिल स्वागत कैसे न करता।

अपने-अपने तरीकों से सौंदर्य की इबादत कैसे न करता। पहली नजर में तो लोगों को यह मौसम का छलावा ही लगा फिर बूंद दर बूंद विश्वास नम होता गया। उन्हें पता चल गया कि ये बादल गरजने नहीं बरसने आए हैं। धूप के साथ मिले हुए नहीं हैं बल्कि भिगोने आए हैं। भले ही दोपहर तक बूंदाबांदी होती रही, लेकिन लोगों में दिनभर मौसम की खुमारी रही। खबर लिखे जाने तक बारिश बंद थी लेकिन गहरे रंग के हुए बादलों से बेहिसाब राहत थी।

जाम में फंसे रहे लोग, आफिस पहुंचने में हुई देरी

बारिश ने जहां लोगों को गर्मी से राहत दी, वहीं जलभराव की वजह से लोग परेशान भी हुए।

पुरानी दिल्ली के सदर और अजमेरी गेट में जगह-जगह सड़कों पर पानी जमा हो गया। कई सड़कें कीचड़युक्त हो गईं, जिसके चलते लोगों को पैदल आने-जाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा। इसके अलावा लोग घंटों में जाम में फंसे रहे, जिसके कारण उन्हें आफिस पहुंचने में देरी हुई। बारिश के कारण यातायात की रफ्तार भी थम गई।

लोगों को जाम में फंसना पड़ा

आइटीओ चौराहा, मथुरा रोड, विकास मार्ग, आजादपुर, दिल्ली कैंट, मिंटो रोड, मुनि मायाराम जैन मार्ग, कश्मीरी गेट, केएन काटजू मार्ग पीतमपुरा और दीन दयाल उपाध्याय मार्ग सहित कई इलाकों में जाम लग गया। आइटीओ चौक और रिंग रोड पर वाहनों की कतारें लगी रहीं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)